www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 I अंक – 340 I नर्मदापुरम, मंगलवार 18 मार्च 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

एक ऐसा गांव जहां कुओं में पर्याप्त पानी, लेकिन नलकूप हो रहे फेल पृष्ठ 2

छुड़ाए नहीं छूटेगा गुजरात के दंगों का दाग
औरंगजेब, छावा और इकतरफा इतिहास पृष्ठ 4

अप्रैल से फरवरी में भारत का स्मार्टफोन निर्यात 54 प्रतिशत बढ़ा पृष्ठ 6

खसरा विषय पर रील बनाओ प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत पृष्ठ 7

सार-समाचार

न्यायमूर्ति बागची ने ली सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पद की शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश पद की शपथ ली। शीर्ष अदालत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने अन्य सभी न्यायाधीशों की मौजूदगी में उन्हें शपथ दिलाई। उच्चतम न्यायालय परिसर में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में वहां के अन्य न्यायाधीशों के अलावा अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। न्यायमूर्ति बागची के शपथ ग्रहण के साथ ही शीर्ष अदालत के लिए स्वीकृत 34 न्यायाधीशों की संख्या के मुकाबले न्यायाधीशों की संख्या 33 हो गई। न्यायमूर्ति बागची दो अक्टूबर 2031 को सेवानिवृत्त होंगे, उससे पहले वह मई (2031) में भारत के मुख्य न्यायाधीश बन सकते हैं।

आईपीएल कप्तानों की 20 को बीसीसीआई कार्यालय में बैठक

मुंबई, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के सभी कप्तान इस गुरुवार को एक महत्वपूर्ण प्री-सीजन मीटिंग के लिए मुंबई में एकत्रित होने वाले हैं। यह बैठक दोपहर में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में होगी। कप्तानों के अलावा, सभी 10 फ्रेंचाइजी के प्रबंधकों को भी इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। इस दौरान, टीमों को आगामी सीजन के लिए नए परिवर्तन और बदलावों के बारे में सूचित किया जाएगा।

कर्नल व उनके बेटे से मारपीट के मामले में 12 पुलिसकर्मी सस्पेंड

पटियाला, एजेंसी। पंजाब के पटियाला में सेना के कर्नल और उनके बेटे से मारपीट के मामले में पुलिस विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। इस मामले में 12 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। मारपीट का पूरा मामला सीसीटीवी में कैद हो गया था। परिजनों ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई। जानकारी के अनुसार, पूरा विवाद पार्किंग को लेकर हुआ था। एसएसपी नानक सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि 13-14 मार्च की रात राजेंद्र हॉस्पिटल के बाहर एक घटना हुई थी।

थोक महंगाई दर फरवरी में 2.38 प्रतिशत रही

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) या थोक महंगाई दर में फरवरी 2025 में 2.38 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसकी वजह ईंधन और ऊर्जा की बढ़ी हुई कीमतें और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की लागत में इजाफा होना था। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को दी गई। इससे पहले जनवरी में डब्ल्यूपीआई या थोक महंगाई दर 2.31 प्रतिशत पर थी।

तेलंगाना में ओबीसी को मिलेगा 42 फीसदी आरक्षण

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में रेवंत रेड्डी की अगुवाई वाल कांग्रेस सरकार ने सोमवार को एक बड़े चुनावी वादे को पूरा कर दिया। कांग्रेस ने सत्ता में आने के बाद जाति जनगणना कराने का ऐलान किया था। पार्टी ने कहा था कि वह जनगणना के बाद ओबीसी के आरक्षण को बढ़ाएगी। जातिगत सर्वे में (अन्य पिछड़े वर्ग) ओबीसी में 56.33 फीसदी सामने आई थी। इसके बाद रेवंत रेड्डी ने विधानसभा में नए जाति सर्वेक्षण का सारांश पेश किया था। तब उन्होंने पंचायत और नगरपालिका चुनावों में पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों को कांग्रेस 42 फीसदी टिकट देने का ऐलान किया था। रेवंत रेड्डी के ऐलान के अनुसार सोमवार को विधानसभा में ओबीसी के लिए 42 फीसदी सीटें आरक्षित करने का बिल पास हो गया। बिहार के बाद तेलंगाना दूसरा राज्य है। जिसने जातिगत सर्वे कराया है।

सोमवार को विधानसभा में रेवंत रेड्डी सरकार की तरफ से तेलंगाना पिछड़ा वर्ग (ग्रामीण और शहरी स्थानीय निकायों में सीटों का आरक्षण) विधेयक, 2025 पेश किया गया। इस बिल को चर्चा के बाद पास कर दिया गया। इसे ध्वनिमत से पारित किया गया। सत्र के दौरान तेलंगाना अनुसूचित जाति (आरक्षण का युक्तिकरण) विधेयक, 2025 और तेलंगाना पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति शैक्षणिक संस्थानों में सीटों और राज्य के तहत सेवाओं में नियुक्तियों या पदों का आरक्षण) विधेयक, 2025 रखे गए।

विधानसभा में गूंजा मंडला में मुठभेड़ का मामला

आदिवासी युवक की मौत पर हंगामा, विपक्ष ने किया बहिर्गमन

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा में आज मंडला में हुई मुठभेड़ में एक आदिवासी की मौत का मामला गूंजा। इस मुद्दे पर विपक्षी कांग्रेस सदस्यों ने हंगामा किया और सदन से बहिर्गमन कर गए। विपक्षी सदस्य चाहते थे कि इस मामले पर अलग से चर्चा हो, लेकिन विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने नियमों का हवाला देते हुए कहा कि सदन नियम प्रक्रिया के अनुसार चलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार का जवाब आने के बाद ही इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी।

सदन में कांग्रेस विधायक ओमकार मरकाम ने यह मामला उठाते हुए कहा कि पुलिस ने एक आदिवासी युवक की हत्या की है। उन्होंने कहा कि सरकार इस मुठभेड़ की निष्पक्ष जांच नहीं करा रही है। मरकाम ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार आदिवासियों के खिलाफ हिंसा को लेकर संवेदनशील नहीं है और मामले को दबाने की कोशिश कर रही है। इस बारे में जब अध्यक्ष श्री तोमर ने कहा कि इस पर ध्यानाकर्षण प्रस्ताव आया है और नियम प्रक्रिया के अनुसार ही चर्चा की जाएगी। इससे विपक्षी सदस्य संतुष्ट नहीं हुए और वे नारेबाजी करते हुए सदन में धरने पर बैठ गए।

इनमें विधायक हीलालाल अलावा, विक्रांत भूरिया, सेना महेश पटेल, भारत आदिवासी पार्टी के कमलेश्वर डोडियार और अन्य कांग्रेस विधायक शामिल थे। इन विधायकों ने कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बाद में सभी कांग्रेस सदस्यों ने नारेबाजी करते हुए बहिर्गमन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। उल्लेखनीय है कि मंडला जिले में कान्हा भोरमदेव के जंगल में 9 मार्च को हॉक फोर्स के साथ हुई मुठभेड़ में एक बैगा आदिवासी युवक की मौत को लेकर विवाद गहरा गया है। कांग्रेस और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने इसे फर्जी मुठभेड़ बताया है। परिजनों का कहना है कि मृतक युवक मानसिक रूप से कमजोर था और मजदूरी करता था। पुलिस का कहना है कि मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों की तरफ से 120 राउंड और हॉक फोर्स की तरफ से 90 राउंड फायरिंग हुई, लेकिन परिजनों ने भी इस मुठभेड़ को फर्जी करार दिया और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। इधर, प्रशासन ने इस घटना की मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दिए हैं।

बजट पर चर्चा के दौरान बोले भार्गव

बजट विकास और आध्यात्म का संगम

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ भाजपा विधायक गोपाल भार्गव ने आज बजट पर चर्चा के दौरान सरकार की जमकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि ये बजट विकास और आध्यात्म का संगम है। उन्होंने इस बजट के लिए मुख्यमंत्री और वित्त मंत्री को बधाई देते हुए कहा कि इस बार का बजट नई थीम विकास और धर्म-संस्कृति को लेकर बनाया गया है। उन्होंने इस बजट में गरीबों, किसानों, युवाओं और नारी सशक्तिकरण के लिए किए गए प्रावधानों की सराहना करते हुए कहा कि इस बजट में सभी वर्गों को सशक्त बनाने के लिए बड़े कदम उठाए गए हैं।

सरकार ने एक ओर विकास कार्यों के लिए बजट बढ़ाया है, योजना मद में भी वृद्धि की गई है। उन्होंने सदन में विभिन्न बजट प्रावधानों का जहां उल्लेख किया, वहीं इस बात को भी सदन के समझ रखा कि कांग्रेस शासनकाल के दौरान बिजली सड़क विकास और विकास कार्यों की स्थिति क्या थी।

चर्चा में रहा भाषण

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा विधायक गोपाल भार्गव द्वारा सदन में दिए भाषण की काफी चर्चा हुई। विधानसभा अध्यक्ष के कक्ष में उनको लेकर हुई चर्चा का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें विधानसभा अध्यक्ष, नरेन्द्र सिंह तोमर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, उप मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष दिखाई दे रहे हैं। मुख्यमंत्री कहते हैं-गोपाल जी नहीं आए क्या बात है। इस पर विजयवर्गीय कहते हैं- पहली बार हमने उनको इतना बोलते हुए देखा। इसके पहले मैंने उन्हें इतना बोलते हुए कभी नहीं देखा। इसी बीच कांग्रेस विधायक यादवेंद्र सिंह कहते हैं- प्रवचन चल रहा था। फिर विजयवर्गीय कहते हैं- चुटकी लेकर बैठ जाते हैं, हैडलाइन बन जाती है। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर कहते हैं-मुझे लगता है गोपाल जी का संसदीय जीवन में शायद पहला इतना लंबा भाषण रहा होगा।

घनघोरिया ने उठाया टिमरी में हुई हत्याओं का मामला

विधानसभा में आज जबलपुर के टिमरी में हुई हत्याओं का मामला कांग्रेस विधायक लखन घनघोरिया ने ध्यानाकर्षण के जरिए मामला उठाया। उन्होंने कहा कि पिता के जवान बेटों की हत्या हुई है और प्रशासन ने संवेदनशून्यता दिखाई है। उन्होंने सवाल किया कि क्या सरकार नरसंहार की धारा लगाएगी? सदन में राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल ने ध्यानाकर्षण का जवाब देते हुए कहा कि जो धाराएं लगनी थीं, लगा दी गई हैं। उन्होंने कहा कि नरसंहार शब्द का उपयोग 1947 की घटनाओं को याद कर किया जा रहा है।

कर्ज बढ़ा, राजकोषीय घाटे में 25 प्रतिशत का अंतर

भोपाल, देशबन्धु। विधानसभा में बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक बाला बच्चन ने कहा कि 2024-25 व 2025-26 के राजकोषीय घाटे में 25 प्रतिशत का अंतर है। सरकार लगातार कर्ज पर कर्ज लिए जा रही है और जनता पर इसका बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 31 मार्च 2026 तक 28 हजार 236 करोड़ रुपए कर्ज का ब्याज हमें चुकाना होगा। कांग्रेस विधायक ने कहा कि विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए 100 करोड़ रुपए का प्रावधान सरकार ने किया था। लेकिन इसमें खर्च शून्य रुपए है।

दिल्ली में इलाज के दौरान ली अंतिम सांस

आईपीएस मनीष शंकर शर्मा का निधन

भोपाल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश पुलिस के विशेष पुलिस महानिदेशक (रेल) आईपीएस मनीष शंकर शर्मा का आज दिल्ली में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह इसी माह स्वास्थ्य जांच कराने के लिए दिल्ली गए हुए थे, जहां कुछ दिन अस्पताल में रहने के बाद मध्यप्रदेश भवन आ गए थे, यहां उनकी अचानक तबियत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। स्व. मनीष की पार्थिव देह सुबह भोपाल लाई गई और चार इमली स्थित बंगले पर अंतिम दर्शन के बाद भदभदा विश्राम घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके निधन से पुलिस विभाग में शोक की लहर है।

होशंगाबाद (नर्मदापुरम) में जन्मे मनीष शंकर शर्मा, पूर्व मुख्य सचिव कृपा शंकर शर्मा के सुपुत्र और और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीताशरण शर्मा के भतीजे थे। स्व. मनीष ने पुलिस सेवा में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। उन्होंने रायसेन, सतना, छिंदवाड़ा और खंडवा जिलों में पुलिस अधीक्षक के रूप में अपनी सेवाएं दी थीं। इसके अलावा, उन्होंने 1997-98 में संयुक्त राष्ट्र मिशन के तहत बोस्निया और हर्जेगोविना में कार्य किया। अमेरिका के कैलिफोर्निया के सैन डिएगो शहर में 20 जुलाई को मनीष शर्मा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया में सुरक्षा निदेशक के रूप में भी अपनी भूमिका निभाई। उन्हें अनेक अंतर्राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुए। मनीष शर्मा की शिक्षा इंदौर के डेली कॉलेज से शिक्षा हासिल करने के बाद उन्होंने बिड़ला इंस्टीट्यूट ऑफ पिलानी से एमबीए की डिग्री प्राप्त की। इसके अलावा कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से इंटरनेशनल सिक्योरिटी, काउंटर टेररिज्म और पब्लिक पॉलिसी में मास्टर डिग्री भी प्राप्त की। उन्होंने अपने करियर के दौरान चार महाद्वीपों में काम किया और वैश्विक आतंकवाद पर लिखी गई पुस्तक 'ग्लोबल टेररिज्म-चैलेंजेस एंड पॉलिसी ऑप्शंस' में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान था।

मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री सहित अनेक लोगों ने शोक व्यक्त किया

श्री शर्मा के निधन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान सहित कई लोगों ने शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने श्री शर्मा के असमय निधन को प्रदेश और समाज के लिए एक अपूर्णीय क्षति बताया है। वहीं केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी शर्मा के निधन पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि मनीष शंकर शर्मा एक कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित पुलिस अधिकारी थे, जिन्होंने प्रशासनिक सेवा में अनुकरणीय योगदान दिया। उनका निधन पुलिस सेवा और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, डीजीपी कैलाश मकवाना ने श्री शर्मा की सेवाओं का स्मरण करते हुए शोक व्यक्त किया है और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

संसद में फिर उठा वक्फ, मतदाता सूची का मुद्दा

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही के दौरान विपक्ष ने वक्फ बोर्ड, मतदाता समेत कई मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरा। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को वापस लेने की मांग की। समाजवादी पार्टी के सांसद धर्मेंद्र यादव ने वक्फ (संशोधन) विधेयक पर कहा, सरकार को इसे वापस लेना चाहिए। सरकार को जिद्दी नहीं होना चाहिए। देश के एक तरफ पच्चीस करोड़ लोग खड़े हैं, सिर्फ एक कानून का विरोध कर रहे हैं तो इसे लागू क्यों किया जाए? फिर भी सरकार इसे जबरदस्ती लागू कर रही है। सरकार को बिल वापस लेना चाहिए, हम इसका विरोध करेंगे और संसद से सड़क तक आंदोलन करेंगे।

धर्मेंद्र यादव ने आगे कहा, समाजवादी पार्टी और

विधेयक वापस लेने और मतदाता पर चर्चा की मांग

हमारे नेता अखिलेश यादव की ओर से मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारी पूरी पार्टी ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड द्वारा जंतर-मंतर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन का पूर्ण समर्थन करती है। प्रदर्शनकारियों द्वारा उठाई गई चिंताएं पूरी तरह से जायज हैं। ऐसा लगता है कि देश में ऐसा पहला मामला है, जहां एक समुदाय के हित के लिए कानून बनाया जा रहा है, लेकिन उससे जुड़े लोग ही उससे असंतुष्ट हैं।

वोटर लिस्ट के मुद्दे पर टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने कहा, विपक्ष लगातार डुप्लीकेट एपिक (ईपीआईसी) कार्ड का मुद्दा उठाता रहा है। हम लगातार सदन में इस मुद्दे को उठाते रहे हैं। हालांकि, हम देख रहे हैं कि हमारे नोटिस खारिज किए जा रहे हैं और सदन में चर्चा नहीं होने दी जा रही है। आज विपक्ष के नेता भी खड़े हुए और चर्चा की मांग की, लेकिन इसकी अनुमति नहीं दी गई। नतीजतन, आज पूरे विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया।

विपक्ष ने राज्यसभा से बहिर्गमन किया

तृणमूल कांग्रेस , कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों के 10 सांसदों ने मांग की कि सदन की दिनभर की कार्यवाही रोकी जाए और डुप्लीकेट वोटर आईडी पर चर्चा हो। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने इससे इनकार कर दिया। इसके विरोध में कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा से वॉकआउट किया।

सौरभ शर्मा के साथ पदस्थ रहे एएसआई की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

ग्वालियर, देशबन्धु। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के साथ पदस्थ रहे एएसआई संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। कंपू स्थित उनके घर से उनकी लाश मिली है। पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल सकेगा।

एएसआई वीरेन्द्र सिंह ग्वालियर में उड़नदस्ता के प्रभारी थे। श्री सिंह मूल रूप से चित्रकूट के रहने वाले थे और ग्वालियर में कंपू थाना इलाके की साउथ एवेन्यू हाउसिंग सोसाइटी में निवास करते थे। उनके यहां नौकर नारायण भी रहते थे। बताया गय कि रविवार रात को खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने के लिए चले गए। जिस कमरे में वह सो रहे थे, उसके पास वाले दूसरे कमरे में उनका नौकर नारायण सो रहा था। रोज सुबह वह करीब 7 बजे सोकर उठ जाते थे, लेकिन सोमवार को जब वह देर तक कमरे से बाहर नहीं आए तो नारायण कमरे में चला गया। नारायण ने कमरे के अंदर जाकर देखा तो वह बिस्तर पर अचेत पड़े थे। उसने तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। कंपू थाना पुलिस यहां पहुंची और मृतक के परिजनों को सूचित कर दिया गया था, उनके परिजनों के घटना की सूचना दे दी। सूचना मिलते ही फौरन उनके स्वजन ग्वालियर आए और यहां पुलिस अधिकारियों ने डॉक्टरों के पैनल से पोस्टमार्टम करवाया। पोस्टमार्टम के बाद उनकी लाश को परिजनों के हवाले कर दिया गया।

प्रधानमंत्री ने अमेरिकन पॉडकास्ट में मध्यप्रदेश के जनजातीय बाहुल्य गांव के दौरे की स्मृतियों को किया साझा, कहा-

शहडोल में बसा है मिनी ब्राजील

विचारपुर में 4 पीढ़ियों से लोग खेल रहे फुटबाल

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकन पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ विस्तार से बातचीत में मध्यप्रदेश के शहडोल जिले के दौरे की स्मृतियों को साझा किया। पॉडकास्ट में श्री मोदी ने शहडोल जिले के जनजातीय बाहुल्य गांव विचारपुर की चर्चा की। उन्होंने कहा कि शहडोल जिले की यात्रा में उन्हें उस जगह के बारे में पता चला, जहां के निवासियों में फुटबॉल के प्रति अटूट प्रेम है। वे अपने क्षेत्र को मिनी ब्राजील कहते हैं। अमेरिकन पॉडकास्ट में पीएम श्री मोदी ने कहा कि हमारे यहां सेंट्रल पार्ट ऑफ इंडिया में मध्यप्रदेश एक स्टेट है, वहां शहडोल एक जिला है, शहडोल जिला बहुत बड़ा ट्राइबल बेल्ट है, जहां काफी ट्राइबल लोग रहते हैं वहां ट्राइबल महिलाएं स्व-सहायता समूह चलाती हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शहडोल यात्रा में स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों और

शहडोल संभाग की फुटबाल क्रांति के प्रणेता खिलाड़ियों से मिलकर चर्चा की और उनका उत्साह बढ़ाया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने शहडोल जिले के भ्रमण की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि मैं उनसे बातचीत कर रहा था। शहडोल में देखा कि स्पोर्ट्स की ड्रेस पहने हुए वहां 80 से 100 के करीब नौजवान, छोटे बच्चे, सभी लोग एक ही प्रकार से बैठे थे। मैं उनके पास गया, उनसे पूछा कि आप लोग कहां से हैं? जवाब मिला, हम मिनी ब्राजील से हैं। मैंने खिलाड़ियों से पूछा कि मिनी ब्राजील क्या है? तो खिलाड़ियों ने बताया कि हमारे गांव विचारपुर को लोग मिनी ब्राजील कहते हैं। मैंने फिर पूछा कैसे मिनी ब्राजील कहते हैं? खिलाड़ियों ने बताया कि हमारे गांव में हर परिवार में चार पीढ़ियों से लोग फुटबॉल खेलते आ रहे हैं। गाँव से 80 से अधिक नेशनल प्लेयर निकले हैं। पूरा गाँव फुटबॉल को समर्पित है और वो कहते हैं कि हमारे गांव का इंडिविजुअल मैच जब होता है, तो 20 से 25 हजार दर्शक तो आसपास के गांव से ही आ जाते हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि भारत में फुटबॉल का क्रेज इन दिनों बढ़ रहा है, मैं उसके लिए शहडोल के मिनी ब्राजील को शुभ संकेत मानता हूं। इससे टीम स्पिरिट पैदा होती है।

प्रधानमंत्री का मुख्यमंत्री ने माना आभार, कहा-

प्रदेश के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रोत्साहन के लिये आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे शहडोल ही नहीं पूरे प्रदेश के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में फुटबाल को और अधिक प्रोत्साहित करने के लिये राज्य सरकार की ओर से हरसंभव मदद दी जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। हमारी खेल अकादमियों के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश और देश का नाम रोशन किया है।

पूर्व संभागायुक्त शर्मा ने भी किया प्रोत्साहित

शहडोल संभाग में फुटबाल को प्रोत्साहित करने के लिए शहडोल संभाग के आयुक्त रहे राजीव शर्मा की पहल पर फुटबाल खिलाड़ियों को बेहतर से बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने के प्रयास किये गए। इसके अपेक्षित परिणाम मिल रहे हैं। शहडोल जिले के ग्राम विचारपुर गांव सहित शहडोल संभाग के लगभग सभी गांवों में फुटबाल क्लबों का गठन किया गया है तथा फुटबाल खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

मन की बात में भी हो चुका है जिक्र

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूर्व में भी मन की बात कार्यक्रम में भी शहडोल संभाग की फुटबाल क्रांति के संबंध में चर्चा की जा चुकी है, जिससे शहडोल संभाग के फुटबाल खिलाड़ियों में नया उत्साहवर्धन हुआ है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

आईपीएस मनीष शंकर शर्मा के निधन पर मंडी में दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम स्थगित

इटारसी । आईपीएस मनीषशंकर शर्मा के आकस्मिक निधन से न सिर्फ पुलिस महकमे में, बल्कि प्रदेश में शोक की लहर है। उनके निधन के बाद नर्मदापुरम जिले में आगामी समय में होने वाले कई कार्यक्रम निरस्त हो गये हैं। उनके निधन के बाद आज कृषि उपज मंडी में उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नर्मदापुरम जिले से ताल्लुक रखने वाले प्रतिष्ठित शर्मा परिवार के सदस्य, मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव केएस शर्मा के पुत्र और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष तथा वर्तमान विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के भतीजे मनीषशंकर शर्मा के आकस्मिक निधन के बाद मंडी में श्रद्धांजलि सभा आयोजन कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कृषि उपज मंडी का स्टाफ मौजूद रहा। आईपीएस मनीष शंकर शर्मा के निधन के बाद नर्मदापुरम में होने वाला पं. रामलाल शर्मा स्मृति समारोह के स्थगित होने की खबर है। इसी तरह से इटारसी व्यापार महासंगठन का होली मिलन समारोह भी स्थगित कर दिया गया है। संगठन की ओर से कहा गया है कि संगठन के मार्गदर्शक/विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा के भतीजे एवं पूर्व मुख्य सचिव कृपा शंकर शर्मा के सुपुत्र मनीष शंकर शर्मा के असमय/आकस्मिक दुखद निधन के चलते 23 मार्च दिन रविवार को आयोजित होने वाला होली मिलन समारोह स्थगित किया जाता है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को 20 वर्ष का कारावास

इटारसी । तृतीय जिला एवं सत्र न्यायधीश श्रीमती सुशीला वर्मा ने आज नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर ले जाकर उसके साथ दुराचार करने के अपराध में आरोपी विमलेश ऊर्फ बटरा को दोषी पाते हुये धारा 363 भादवि में 7 वर्ष सश्रम कारावास एवं 1000 रुपए जुर्माना, धारा 366 भादवि मे 10 वर्ष सश्रम कारावास एवं 3000 रुपए जुर्माना, 376(2)(एन) भादवि में 10 वर्ष सश्रम कारावास एवं 3000 रुपए जुर्माना एवं धारा 5/6 पॉक्सो अधिनियम के अंतर्गत 20 वर्ष सश्रम कारावास एवं 3000 रुपए जुर्माना से दंडित किया।

जिला अभियोजन अधिकारी राजकुमार नेमा ने बताया कि 8 अक्टूबर 2021 को नाबालिग पीड़िता के पिता ने थाना केसला जाकर रिपोर्ट दर्ज करायी कि उसकी लड़की 6 एवं 7 अक्टूबर 21 की रात्रि में बिना बताये घर से चली गयी। उसकी तलाशी के दौरान पता चला कि उसकी लड़की को विमलेश बहला फुसलाकर भगाकर ले गया है और विमलेश भी घर पर नहीं है। तत्कालीन उप पुलिस अधीक्षक एवं थाना प्रभारी विमलेश उइके ने अपराध पंजीबद्ध कर विवचेना की। पीड़िता को सहायक उपनिरीक्षक अनिल शर्मा ने ग्राम नवल गांव थाना शिवपुर से बरामद किया। पीड़िता ने बताया कि उसकी विमलेश कासदे से पहचान थी, वह उसे शादी करने का कहकर नदी के पास जंगल में ले गया और उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित किये। 06 अक्टूबर 21 को विमलेश ने उसे घर से भाग कर शादी करने के लिये बहकाकर रात्रि में उसके घर से नवल गांव ले गया और उसके साथ शारीरिक संबंध स्थापित किये। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार किया। शासन की ओर से अतिरिक्त जिला अभियोजन अधिकारी एचएस यादव ने पीड़िता के द्वारा समर्थन नहीं करने के उपरांत भी, स्कूली शिक्षक एवं पुलिस अधिकारियों के कथन कराये और एफएसएल से प्राप्त डीएनए परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुये पीड़िता को नाबालिग होते हुये उसका अपहरण एवं पीड़िता के साथ दुष्कर्म किया जाना प्रमाणित किया।

एक ऐसा गांव जहां कुओं में पर्याप्त पानी, लेकिन नलकूप हो रहे फेल

सात सौ फिट तक खुदाई के बावजूद केवल लाल मिट्टी निकली, पानी नहीं

प्रदीप तिवारी

इटारसी । आदिवासी ब्लॉक केसला के कुछ क्षेत्र अब भी गर्मी में पानी के लिए तरस रहे हैं। अभी गर्मी की शुरुआत से ही केसला के भातना क्षेत्र में पानी की समस्या उत्पन्न हो गयी है। हालांकि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों का दावा है कि दो दिन में मोटर चालू करके वहां जलसंकट का समाधान किया जाएगा। इधर आदिवासी नेताओं का कहना है कि यहां नल-जल योजना चालू नहीं होने से पेयजल का संकट है। गांव के लोग स्वयं कुए में मोटर लगाकर कुछ हद तक जलसंकट से लड़ पा रहे हैं, फिलहाल कुओं का पानी गांव की प्यास बुझा रहा है। सरपंच कहते हैं कि कुओं से ही पानी सप्लाई करेंगे तो संकट का समाधान संभव है। नलकूप और हैंडपंप के भरोसे गांव की प्यास नहीं बुझाई जा सकती।

केसला ब्लॉक का गांव भातना पूरी तरह से आदिवासी गांव है। यहां नलजल योजना के अंतर्गत दो नलकूप खनन किये, लेकिन दोनों में पानी नहीं मिला। सरपंच नेहरु कलमे कहते हैं कि उन्होंने स्वयं सात सौ फुट तक बोर कराया, लेकिन लाल मिट्टी के अलावा कुछ नहीं मिला। शुरुआती 25 फिट तक कुछ पानी आया, लेकिन नीचे की जमीन पूरी तरह से रीत गयी है। सात सौ फिट के बाद हमने उम्मीद छोड़कर काम बंद कर दिया। पिछले दिनों गांव में कमिश्नर का दौरा था। उनको जलसंकट के विषय में पता चला तो एक और बोर करने का आदेश दे गये। अब लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी के मैकेनिकल विभाग ने एक ओर बोर करने की तैयारी प्रारंभ कर दी है। हालांकि सरपंच कहते हैं कि यहां कितने भी बोर किये जाएं, पानी नहीं निकलने वाला नहीं है। उनका कहना है कि गांव की पेयजल समस्या का एकमात्र समाधान है, यहां के कुओं को व्यवस्थित करके उनका उपयोग हो।

गांव में करीब आधा दर्जन हैंडपंप हैं, जो सर्दियों में तो थोड़ा पानी देते हैं, लेकिन गर्मियों में उनकी भी सांस फूल जाती है। गांव के करीब 25 मकानों की ढाई सौ लोगों की आबादी के लिए पेयजल नहीं मिलना मुसीबत का सबब बन रहा है। फिलहाल गांव के लोगों ने नलजल योजना की मोटरें निकालकर कुएं में लगा ली हैं जिनसे गांव के हर घर में पाइन लाइन से पानी पहुंचाया जा रहा है। सरपंच बताते हैं कि गांव को पानी देने के पूरे प्रयास किये जा रहे हैं। गांव में पानी की कहानी भी बड़ी जटिल है। यहां कुओं में तो पानी है, लेकिन कुए के साइड में बोर करने से भी उनमें पानी नहीं आया। सरपंच कहते हैं कि कुएं सक्सेस हैं, लेकिन नलकूप और हैंडपंप खनन करना बेकार साबित हो रहा है। यहां दो सार्वजनिक और दो किसानों के निजी कुए हैं और सभी में पानी है। जलसंकट के वक्त पंचायत के टैंकरों से पानी सप्लाई करके पेयजल दिया जाता है। यहां करीब 25 फिट तक तो पानी रहता है, उससे नीचे जमीन खाली है।

इनका कहना है...

यहां पानी की समस्या तो है। दो नलकूप खनन किये, पानी नहीं निकला, एक ओर खनन करने की तैयारी है। दो से तीन दिन में मोटर चालू करने की कोशिश है, नलकूप में पाइप बढ़ाये जा रहे हैं, जहां पाइपलाइन में लीकेज है, उनमें सुधार किया जाएगा। हमारा पूरा प्रयास है कि गर्मियों में गांववालों को पानी मिले।

विकास कुमार, सब इंजीनियर पीएचई मैकेनिकल विंग

यहां नलकूप और हैंडपंप फेल हैं, जबकि कुंए सक्सेस हैं। एक नलकूप को हमने सात सौ फिट तक खनन किया लेकिन लाल मिट्टी निकली, पानी नहीं निकला। अभी नलजल योजना की मोटर कुंए में लगाकर घर-घर में पेयजल पहुंचा रहे हैं।

नेहरू कलमे, सरपंच भातना

हमने जानकारी मिलने पर गांव का दौरा किया। यहां कुए से पानी लाकर ग्रामीण प्यास बुझाते हैं। नलजल योजना सक्सेस नहीं है। बोर में पानी नहीं निकल रहा, कुओं से सप्लाई हो रही है। ठेकेदार ने घटिया काम किया है। पाइप लाइन जगह-जगह से लीकेज है, हम चाहते हैं कि एसडीएम स्वयं देखें और सुधार करायें।

विनोद वारीबा, आदिवासी नेता

शिक्षक राष्ट्र निर्माण की आधारशिला रखते हैं, समाज सदैव इनका ऋणी रहेगा : डॉ. शर्मा

जिला चाणक्य सर्वधर्म सद्भाव समिति ने किया 29 सेवानिवृत्त शिक्षकों का सम्मान

इटारसी। जिला चाणक्य सर्वधर्म सद्भाव समिति ने आचार्य चाणक्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन साईं कृष्णा रिसोर्ट में किया। मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, विशेष अतिथि संभागीय अध्यक्ष सर्व ब्राह्मण समाज हेमंत शुक्ला, संयोजक शिवाकांत गुड्डन पांडेय, अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष अभा ब्राह्मण समाज उज्जैन सुरेन्द्र चतुर्वेदी, दिनेश थापक ने की।

समारोह में मधुकर पांडेय स्मृति में प्रमोद पांडे परिवार द्वारा स्थापित सम्मान शिक्षक अशोक चिमानिया को, दीपक ओझा स्मृति में वंदना ओझा, अभिषेक ओझा द्वारा शकुन उइके, इडित अल्फ्रेड स्मृति में गिडियन ग्लेडविन परिवार द्वारा स्थापित सम्मान सुषमा परमहंस को, आईडी दुबे स्मृति में आशा दुबे परिवार द्वारा महेश गुप्ता को, गुलाबचंद-लीला कामले स्मृति में सुभाष-डॉ. सुनीता कामले परिवार केसला द्वारा एमएल साहू को, उमाशंकर परसाई स्मृति में बाबू चौधरी जुझारपुर एवं ग्रामीणों द्वारा एसआर पटेल को, कलावती तिवारी स्मृति में एसडीएम निकिता तिवारी एवं संदीप तिवारी परिवार द्वारा स्थापित गोविन्द नारायण लुटोरिया को, गिरधारी लाल शर्मा स्मृति में कुलदीप शर्मा, अमित शर्मा परिवार द्वारा ओपी पटेल को, महेश दुबे स्मृति में मनोरमा दुबे, प्रकाश दुबे परिवार द्वारा राजकुमार त्रिवेदी को, कमला मलेश प्रसाद तिवारी स्मृति में सत्येन्द्र तिवारी परिवार द्वारा शकुंतला आचार्य को, लक्ष्मीकांत शुक्ल, दिनांश तिवारी स्मृति में हर्षित तिवारी, सौरभ शुक्ल द्वारा ओएस तिवारी को सम्मानित किया।

इसी तरह से माखनलाल-सुशीला देवी भारद्वाज स्मृति में संतोष भारद्वाज द्वारा सतीश राजवैध, डॉ.. एचएन सिलाकारी स्मृति में सौरभ सिलाकारी परिवार द्वारा एचपी श्रीवास्तव को, केसरी चंद शर्मा स्मृति में कैलाश, बेनीशंकर शर्मा परिवार द्वारा एसके दीक्षित, द्वारका प्रसाद शर्मा स्मृति में महेन्द्र, संजय शर्मा परिवार द्वारा अखिलेश शुक्ला, महादेव पगारे, शांतिदेवी पगारे स्मृति में प्रमोद पगारे पत्रकार द्वारा सुधांशु शेखर मिश्रा को, मो. युनिस सिद्दीकी, मो. जाफर सिद्दीकी, मनीता सिद्दीकी जीनियस परिवार द्वारा नूरजहां खान को, हरिशचंद शुक्ला स्मृति में पवन-नीरज शुक्ला परिवार द्वारा विनोद बिहारी पटेल को, सरला मिश्रा स्मृति में आईबी मिश्रा, प्रीति रजत मिश्रा परिवार द्वारा अर्चना शुक्ला को,छैल बिहारी पांडे स्मृति में ज्ञानेंद्र, मानवेन्द्र पांडे परिवार द्वारा संजय शुक्ला को, सुरेशचंद्र शास्त्री पांडे स्मृति में राजेन्द्र, गुड्डन पांडे परिवार द्वारा सुनीता जैन को, पटोल देवी सिंगवानी स्मृति में चन्द्रभान सिंगवानी पटोला इंडस्ट्रीज) परिवार द्वारा हंसा कपूर, पार्वती किशोरी डोंगरे स्मृति में कैलाश डोंगरे द्वारा एमएस तोमर को सम्मानित किया गया। पुरुषोत्तम लाल दुबे स्मृति में हेमंत दुबे जमानी परिवार द्वारा त्रिवेणी पांडेय को, भैयालाल रणसूरमा, कलीबाई स्मृति में धर्मेन्द्र रणसूरमा महर्षि महेश योगी कालेज द्वारा अरविन्द बोरीकर को, रामसेवक-लीला बाई शर्मा स्मृति में जुगलकिशोर शर्मा परिवार द्वारा गुलाब सिंह चौहान को, नारायण प्रसाद-शांतिदेवी वाजपेयी स्मृति में अनिल- सुनील वाजपेयी परिवार द्वारा ज्योति शुक्ला को, शीला शर्मा जी, राजकुमारी पाठक स्मृति में संतोष- मनोज शर्मा परिवार द्वारा पीपी पांडेय एवं रामप्रसाद-लीलावती मालवीय स्मृति में अशोक, सविता मालवीय, आदित्य, विपुल मालवीय परिवार द्वारा करूणा मालवीय को सम्मानित किया गया।

सर्व ब्राह्मण समाज जिलाध्यक्ष जितेन्द्र ओझा ने कहा कि समिति हर साल सर्व समाज के ऐसे सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित करती है, जिनका समाज और देश निर्माण में अहम योगदान रहा है। अतिथियों ने इस अवसर पर कहा कि यह शिक्षा और गुरू परंपरा के प्रति सम्मान व्यक्त करने का गरिमामय आयोजन है, गुरू समाज में हमेशा पथ प्रदर्शक और भविष्य निर्माण की आधारशिला रखते हैं। समाज में इनका स्थान सदैव पूज्यनीय रहेगा। संचालन सुनील बाजपेयी, पूनम सत्येंद्र तिवारी, स्वागत भाषण सौरभ शुक्ला एवं आभार संतोष भारद्वाज ने जताया। कायक्रम में देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति आस्तिक ओझा, अंकिता श्रीवास्तव, राधिका राणे ने दी। संजय बाजपेयी, प्रकाश दुबे, सत्येंद्र तिवारी, महेश रायकवार, घनश्याम शर्मा, आलोक दीक्षित, आलोक तिवारी, अनिरूद्ध चंसोरिया, सूर्यप्रकाश मिश्रा, संतोष भारद्वाज, दीपक श्रोती, कमल लाटा, नवीन शर्मा, आदित्य दीक्षित, श्रेयांक तिवारी, चिराग परसाई, दैविक तिवारी, संजय दुबे, आलोक गिरोटिया, हर्ष पाराशर, मनोज शर्मा, अशोक दुबे, अविनाश तिवारी, राजा पाण्डेय, दिलीप पाण्डेय, राजेश शर्मा का सहयोग रहा।

रेलवे के इंजीनियरों का कमाल, खराब मदरबोर्ड की मरम्मत कर बचाए लाखों रुपए

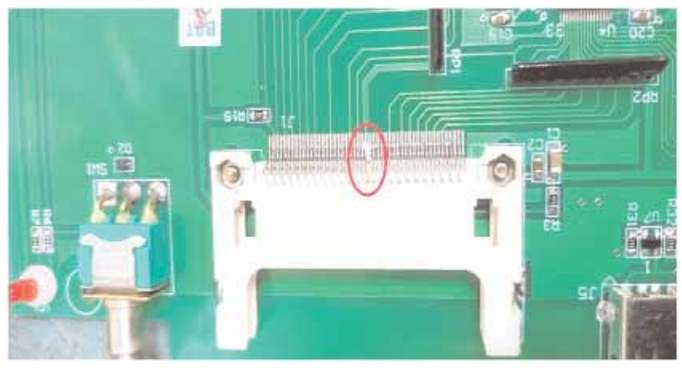

इटारसी। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल रेल मंडल का प्रमुख रेल जंक्शन इटारसी, कई उपलब्धियां अपने नाम कर रहा है। अब यहां के इलेक्ट्रिक लोको शेड के इंजीनियर्स ने कमाल कर दिया है, जिससे संपूर्ण मंडल में उनकी सराहना की जा रही है। इंजीनियर्स ने अपने हुनर के बलबूते खराब मदरबोर्ड की मरम्मत करके रेलवे के लाखों रुपए बचाये हैं। मंडल रेल प्रबंधक देवाशीष त्रिपाठी के मार्गदर्शन में पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल के अंतर्गत इलेक्ट्रिक लोको शेड, इटारसी ने एक अभिनव पहल करते हुए रेलवे के संसाधनों का न केवल कुशलतापूर्वक उपयोग किया, बल्कि उल्लेखनीय आर्थिक बचत भी सुनिश्चित की है। वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता(कर्षण चल स्टॉक) इटारसी शेड नीरज कुमार शर्मा के अनुसार इलेक्ट्रिक लोको शेड, इटारसी में वर्तमान में 269 थ्री-फेज इलेक्ट्रिक इंजनों का रखरखाव किया जाता है, और प्रत्येक लोकोमोटिव में लगा स्पीडोमीटर ट्रेन की वर्तमान गति दर्शाकर चालक दल को सुरक्षित परिचालन में मदद करता है। वर्ष 2024-25 के दौरान, गलत तरीके से मेमोरी कार्ड लगाने के कारण कुल 65 स्पीडोमीटर के मदरबोर्ड के पिन क्षतिग्रस्त हो गए थे। इन कार्डों की बाजार से नई खरीद के बजाय, शेड के अनुभवी तकनीकी दल ने इन-हाउस मरम्मत का सराहनीय निर्णय लिया।

इस महत्वपूर्ण पहल का नेतृत्व इलेक्ट्रिक लोको शेड इटारसी के 5 सेक्शन के एसएसई दीपक यादव, जेई अनुराग बढ़खने, टेक्निशियन-ढ्ढ नितिन पटेल एवं टेक्निशियन धर्मेंद्र चौरे ने किया। शेड अधिकारियों के निर्देशन में इस टीम ने अपने तकनीकी ज्ञान और उपलब्ध संसाधनों का श्रेष्ठ उपयोग करते हुए क्षतिग्रस्त मदरबोर्ड की सफल मरम्मत की। इस अभिनव प्रयास से भारतीय रेलवे को 13,22,675 रुपए की उल्लेखनीय बचत हुई है। बाजार में एक मदरबोर्ड की कीमत 18,685 और मेक की कीमत 29,500 रुपए है। टीम ने अपने कुशल प्रबंधन, तकनीकी दक्षता और संसाधनों के समुचित उपयोग से रेलवे की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया ने कहा कि भोपाल मंडल की यह पहल न सिर्फ तकनीकी नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण है, बल्कि रेलवे कर्मचारियों की प्रतिबद्धता, लगन और कर्तव्यनिष्ठा का परिचायक भी है। पश्चिम मध्य रेलवे भोपाल मंडल, इलेक्ट्रिक लोको शेड इटारसी के इस उल्लेखनीय प्रयास की सराहना करता है।

बाबा गुरबचन सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन

भोपाल,देशबन्धु। 25वें बाबा गुरबचन सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा (हरियाणा) में संपन्न हुआ। 26 फरवरी से प्रारंभ हुई इस प्रतियोगिता में देशभर से 24 टीमों ने भाग लिया, जिनके बीच खेल कौशल और आध्यात्मिक मूल्यों का अद्भुत संगम देखने को मिला।

इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल चरण में भटिंडा, बरेली, आगरा और चंडीगढ़ की टीमों ने शानदार खेल प्रदर्शन कर अंतिम चार में स्थान बनाया। फाइनल मुकाबले में आगरा और भटिंडा की टीमों के बीच जबरदस्त खेल भावना देखने को मिली, जिसमें आगरा टीम ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल कौशल से प्रतियोगिता का अंतिम मुकाबला जीतकर विजय प्राप्त की। मैन आफ द सिरिज का खिताब दीपक राजपूत (आगरा) को मिला। मुख्य अतिथि, एसएल गर्ग कनवीनर केन्द्रीय योजना सलाहकार बोर्ड ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संत निरंकारी मंडल की प्रधान श्रीमती राजकुमारी भी उपस्थित रहीं। संपूर्ण टूर्नामेंट सतगुरु माता सुदीक्षा के पावन निर्देशानुसार, सचिव, संत निरंकारी मंडल जोगिंदर सुखीजा के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

लॉयंस क्लब भोपाल संस्कार का होली मिलन समारोह

भोपाल,देशबन्धु। लॉयंस क्लब भोपाल संस्कार ने रविवार को एमपी नगर के होटल में रंगारंग होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने हर्बल गुलाल से एक-दूसरे को रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। क्लब के अध्यक्ष लायन दिनेश धीर ने सभी का स्वागत किया, वहीं क्लब सचिव लायन रूपक राव ने सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ईदगाह हिल्स स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों के साथ फूलों की होली खेली गई और उपहार वितरित किए गए। कार्यक्रम में मिमिक्री, फैशन शो, डांस और फिल्मी गीतों की शानदार प्रस्तुतियों ने समा बांध दिया। सभी सदस्यों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया और होली के रंग में सराबोर हो गए। इस मौके पर लायन दिनेश धीर, लायन ज्योति धीर, लायन सुषमा जोशी, लायन नीरेंद्र गौर, लायन गौरव कुलश्रेष्ठ, लायन निमिषा कुलश्रेष्ठ, लायन विजय अय्यर, लायन रूपक राव, लायन आशा राव, लायन सुषमा कुलश्रेष्ठ, लायन सुयश कुलश्रेष्ठ, लायन नीलू सूरी, लायन सुधीर शर्मा, लायन ममता शर्मा, लियो ओजस कुलश्रेष्ठ सहित कई अन्य सदस्य मौजूद रहे।

बीएमए का होली मिलन एवम बैठक आयोजित

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन (बीएमए)कार्यकारणी का होली मिलन एवम बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर अध्यक्ष सुनिल भार्गव ने बीएमए की ओर सब को बधाई दी और राजेश तिवारी को अगले माह से भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन का कार्यभार ग्रहण की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में बीएमए उपाध्यक्ष एन के छिब्बर, कोषाध्यक्ष मनोज झा, ईसी सदस्य आरजी दिवेदी, डॉ ऋषि शर्मा, जीके छिब्बर, डॉ शिखा भार्गव, डॉ निष्ठा त्यागी, सलिल चटर्जी, राजीव सक्सेना, विश्वास घुसे आदि उपस्थित थे।

जनजातीय नृत्य एवं फाग गायन की प्रस्तुति ने मोहा मन

भोपाल,देशबन्धु। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित संभावना गतिविधि में रविवार राहुल धुर्वे एवं साथी, सिवनी द्वारा गोण्ड जनजातीय गेड़ी-सैला नृत्य, दयाराम रठुरिया एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा बैगा जनजातीय फाग नृत्य एवं विनोद मिश्रा एवं साथी, मध्यप्रदेश द्वारा पारंपरिक फाग गायन, सुश्री अनामिका त्रिपाठी, महाराष्ट्र द्वारा भोजपुरी गायन और जयदीप गढ़वी एवं साथी, गुजरात द्वारा गढ़वी गायन की प्रस्तुति दी गई। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। गतिविधि की शुरूआत में राहुल धुर्वे एवं साथी, सिवनी द्वारा गोण्ड जनजातीय गेड़ी-सैला नृत्य की प्रस्तुति दी गई। गोण्ड जनजाति में गेड़ी नृत्य जिसे मुरिया जनजाति में डिटोंग पाट्या कहते हैं। लकड़ी की गेड़ी पर किया जाता है। इसमें केवल नृत्य होता है गीत नहीं गाये जाते। वहीं दयाराम रठुरिया एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा बैगा जनजातीय फाग नृत्य किया। बैगा जाति के लोग अनेक नृत्य गायन प्रस्तुत करतें है, जिसमें एक फाग नृत्य भी एक विधा है। होली के दिन से तेरह दिन तक इस नृत्य को किया जाता है। इस नृत्य में पुरुष महिला दोनों भाग लेते है। इस नृत्य में मुख्य वाद्य, मांदर, टिमकी, बांसुरी हैं। अगले क्रम में जयदीप गढ़वी एवं साथी-जूनागढ़ द्वारा गढ़वी गायन की प्रस्तुति दी गई। उन्होंने दोहा छंद..., हेरी सखी मंगल गाओ री..., नगर में जोगी आया..., होली आई रे आई रे होली आई रे..., कृष्ण पद..., जैसे गीतों की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद विनोद मिश्रा एवं साथी, सतना द्वारा पारंपरिक फाग गायन की प्रस्तुति दी गई। मारत हैं पिचकारी..., गुइंया आवा..., फागुन मा भोला रंगाने..., नैना लग जाए..., फागुन रे फागुन..., केसर के उड़े फुहारा..., एवं सुश्री अनामिका त्रिपाठी, महाराष्ट्र द्वारा भोजपुरी गायन में जोगिरा..., फगुनवा में रंग..., नीक लागे .., रंगवा और अबीर खेलत..., सिया चलीं अवध की ओर..., जैसे कई गीतों की प्रस्तुति दी।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

संभाग आयुक्त ने किया बोर्ड परीक्षा केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण

नर्मदापुरम, देशबन्धु। संभाग आयुक्त कृष्ण गोपाल तिवारी सोमवार को केसला विकासखंड के शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय केसला, शाहपुर के शासकीय सीएम राइज विद्यालय, भौरा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय घोड़ा डोंगरी एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जवारी में चल रही कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया।

श्री तिवारी ने निरीक्षण के दौरान सभी बोर्ड परीक्षा केंद्राध्यक्षों एवं सहायक केंद्राध्यक्ष को निर्देश दिए कि वह परीक्षा संचालन के लिए बोर्ड के दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन करना सुनिश्चित करें। उन्होंने बोर्ड परीक्षाओं के दौरान विद्यार्थियों की बैठक व्यवस्था सुचारू व व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। साथ ही निर्देश दिए की विषय वार प्रश्न पत्रो को थाने से लाने एवं उत्तर पुस्तिकाओं के बंडल थाने में जमा करने में विशेष सावधानी एवं सतर्कता बरती जाए। हर बार बोर्ड के दिशा निर्देशों का अक्षरशः पालन किया जाए। संभाग आयुक्त ने सभी परीक्षा केन्द्रों पर कलेक्टर प्रतिनिधि की उपस्थिति की जानकारी ली तथा सभी परीक्षा केन्द्रों में पर्यवेक्षकों के कर्तव्य एवं परीक्षा सुचारू रूप से संचालन करने के लिए दिए गए दिशा निर्देशों का पालन हो रहा है कि नहीं इसका अवलोकन किया।

उल्लेखनीय है कि आज कक्षा 12वीं के रसायन शास्त्र विषय, इतिहास, कृषि विज्ञान के मूल तत्व, व्यवसायिक अध्ययन, गृह प्रबंधन एवं वस्त्र विज्ञान आदि विषय की परीक्षा परीक्षार्थियों ने दी। श्री तिवारी ने परीक्षा केन्द्रों में सुविधा की उपलब्धता एवं विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं अनुपस्थिति की जानकारी ली। संभाग आयुक्त ने सभी शिक्षको को प्राचार्य एवं केंद्राध्यक्षों तथा सहायक केंद्राध्यक्ष को निर्देश दिए कि वह परीक्षा का संचालन सुचारु रूप से करें एवं किसी भी स्थिति में यदि कोई नकल करता पाया जाता है तो ऐसे नकल के प्रकरणों पर प्रभावी कार्रवाई करें। बताया गया कि अब तक नकल का कोई भी प्रकरण प्राप्त नहीं हुआ है। संभाग आयुक्त के निरीक्षण के दौरान संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम संभाग श्रीमती भावना दुबे एवं संयुक्त आयुक्त विकास जीसी दोहर उपस्थित रहे।

केंद्रीय जेल में महिला बंदियों हेतु किया गया स्वास्थ्य शिविर आयोजित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। नर्मदापुरम केंद्रीय जेल में महिला बंदियों के स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए गत दिवस सेंट जोसेफ हॉस्पिटल नर्मदापुरम द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सेंट जोसेफ हॉस्पिटल नर्मदापुरम से डॉ. बिन्दु जोसेफ (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डॉ. जिस्माई, सिस्टर पवित्रा (नर्स), सिस्टर रानी (फार्मासिस्ट), मिस सीवस, मिस अखीक द्वारा केन्द्रीय जेल नर्मदापुरम की 76 महिला बंदियों की स्वास्थ्य परीक्षण, जांचे की गईं और उन्हें आवश्यक दवाइयाँ वितरित की गईं। शिविर के दौरान जेल अधीक्षक संतोष सोलंकी, उप अधीक्षक प्रहलाद बरकडे, अष्टकोण अधिकारी हितेश बंडिया एवं मेलनर्स श्रीमती इंदुराज साहु तथा जेल कर्मचारी उपस्थित रहे।

समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम 24 को

नर्मदापुरम, देशबन्धु। म.प्र. शासन लोक सेवा प्रबंधन विभाग द्वारा समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम 24 मार्च को सायं 4 बजे से आयोजित की जाएगी। उक्त समाधान ऑनलाईन कार्यक्रम पूर्व में 25 मार्च को आयोजित की जाना था। जिसमें अपरिहार्य कारणों से संशोधित किया जाकर उक्त कार्यक्रम अब 24 मार्च को आयोजित किया जाएगा।

7 वाहनों से 7 हजार रूपए जुर्माना वसूला

हरदा , देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देश पर सोमवार को परिवहन विभाग के दल ने यात्री बसों व अन्य वाहनो को चेक किया। जिला परिवहन अधिकारी राकेश अहाके ने बताया कि चेकिंग के दौरान सात वाहनों पर चालानी कार्रवाई कर 7 हजार रूपये जुर्माना वसूल किया गया। इस दौरान वाहन चालको को नियमों का पालन करते हुए वाहन संचालन की हिदायत दी गई।

पंचवटी हनुमान मंदिर में महिला मंडल ने मनाया फाग उत्सव

इटारसी। पंचवटी हनुमान मंदिर महिला मंडल द्वारा चामुंडा चौराहा इटारसी ने होली पर्व के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में फाग महोत्सव का आयोजन किया। यहां मंडल की महिलाओं ने अध्यक्ष श्रीमती

अनिता तिवारी के मार्गदर्शन में धूमधाम से फाग उत्सव मनाया। कार्यक्रम में राधा-कृष्ण की झांकी भी मनमोहक थी और राधा कृष्ण के साथ सभी सखियों ने फूलों की होली खेल कर मंदिर को वृंदावन बना दिया। फाग भरे गीतों ने मंदिर में उपस्थित सभी भक्तजनों में एक नई उमंग भर दी। सभी मंत्र मुग्ध होकर कृष्ण भक्ति में लीन हो गए। उक्त कार्यक्रम में महिला मंडल की सभी सक्रिय सदस्यों सहित सैकड़ों की संख्या में भक्त उपस्थित थे, सभी ने बहुत ही धूमधाम से होली के कार्यक्रम में अपनी सहभागिता प्रदान की। ज्ञात हो कि पंचवटी हनुमान मंदिर चामुंडा चौराहा में समय-समय पर सामाजिक एवं धार्मिक कार्य महिला मंडल के आपसी सहयोग से संपन्न किए जाते हैं।

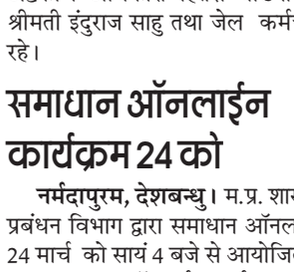

बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति से प्रभावित बच्चों के पुनर्वास के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं: कलेक्टर

विभागीय कार्यों एवं लंबित प्रकरणों की समीक्षा

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर सोनिया मीना ने सोमवार को विभागीय कार्यों और लंबित प्रकरणों की समीक्षा की, जिसमें सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने कार्यालय परिसरों के अतिरिक्त अन्य सार्वजनिक स्थलों पर भी जनसुनवाई के सामान्य शिविरों का आयोजन करें, जिससे शिकायतों के शीघ्र निराकरण को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

कलेक्टर ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान दर्ज शिकायतों का शीघ्र अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने वर्ष 2023-24 के दौरान प्राप्त शिकायतों के त्वरित समाधान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई। बैठक में कलेक्टर ने अपर कलेक्टर को सामान्य प्रशासन, माइनिंग, पंजीयन विभाग एवं खाद्य सुरक्षा से संबंधित शिकायतों की संख्या में कमी लाने के निर्देश दिए। इसके लिए शिकायतों की स्क्रूटनी करने और शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा गया। इसके अलावा, ओआईसी (सीएम हेल्पलाइन) को 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया गया। कलेक्टर ने सीपीग्राम्स पोर्टल के तहत लंबित शिकायतों के निराकरण को प्राथमिकता देने को कहा और निर्देश दिए कि जिन मामलों का समाधान शासन स्तर पर ही संभव है, उनके लिए आवश्यक पत्राचार किया जाए। समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने सभी ओआईसी को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि शिकायतें एल-3 या एल-4 स्तर तक न पहुंचे, इसके लिए जिला अधिकारियों को सख्त नियंत्रण रखने को कहा गया।

बैठक में कलेक्टर ने एडीएम श्री सिंह को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं और इससे संबंधित सभी आवश्यक कार्यवाहियों को सुनिश्चित किया जाए। ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जिला सूचना अधिकारी को निर्देश दिए कि आगामी 20 मार्च तक सभी विभागों से एंप्लॉय मास्टर डाटा प्राप्त करने हेतु पत्र जारी किए जाएं। उन्होंने अपर कलेक्टर श्री सिंह को खाद्य सुरक्षा संबंधी कार्यवाहियों की नियमित समीक्षा करने और मिलावटी एवं नकली खाद्य पदार्थों के विरुद्ध सतत प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने खनन विभाग से जुड़े मामलों की भी समीक्षा की, जिसमें पंजीबद्ध प्रकरणों, अर्थदंड वसूली, चालानी कार्यवाही एवं विभाग में लंबित मामलों पर चर्चा की गई। उन्होंने निर्देश दिए कि अनुविभाग स्तर पर भी ओवरलोडिंग एवं बिना रॉयल्टी के खनिज परिवहन करने वाले वाहनों के विरुद्ध ज़ब्ती की कार्यवाही की जाए।

बाल श्रम एवं भिक्षावृत्ति की समस्या पर गंभीरता दिखाते हुए कलेक्टर ने संयुक्त कलेक्टर को निर्देशित किया कि ऐसे बालकों को मुक्त कराकर उनके पुनर्वास के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। इसके लिए नगर के मुख्य स्थानों पर नियमित रूप से निरीक्षण किए जाने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने सभी शाखाओं में पंजीयों का सुव्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने शस्त्र शाखा से जुड़े सभी पंजीयों को नियमित रूप से संधारित करने के साथ-साथ शस्त्र नवीनीकरण, स्थानांतरण एवं सरेंडर प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा कर उसका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए। कृषक कल्याण योजना के अंतर्गत किसी भी नवीन प्रकरण के लंबित न रहने पर जोर देते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राहत संबंधी मामलों में एसडीएम एवं तहसीलदार स्तर पर कोई भी मामला पेंडिंग न रहे। साथ ही, सभी शाखाओं के प्रभारी अधिकारी अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण करें और समय-समय पर अपनी शाखाओं का निरीक्षण भी करें।

कलेक्टर ने आरआई एवं पटवारी के समयमान वेतनमान से जुड़े प्रकरणों को शीघ्र निराकरण करने हेतु विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, वन एवं भू अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि जिन मामलों के समाधान में विलंब हो रहा है, उनकी दिन-प्रतिदिन की रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। सुश्री मीना ने अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक सप्ताह अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। साथ ही, किस क्षेत्र में और किस प्रकार का अतिक्रमण हटाया गया है, इसकी विस्तृत रिपोर्ट भी संबंधित अधिकारी प्रस्तुत करें। बैठक के दौरान अपर कलेक्टर डीके सिंह, संयुक्त कलेक्टर अनिल जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती संपदा गुर्जर, सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत सहित अन्य अधिकारी एवं शाखा प्रभारी उपस्थित रहे।

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक सम्पन्न

हरदा , देशबन्धु। जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक सोमवार को जिला पंचायत के सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर आदित्य सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष दर्शनसिंह गेहलोत, जिला पंचायत सदस्य ललित पटेल, जनपद अध्यक्ष खिरकिया श्रीमती रानू पटेल सहित अन्य अधिकारी व किसान प्रतिनिधि मौजूद थे।

बैठक में ग्रीष्मकालीन मूंग सिंचाई वर्ष 2025 के लिये नहर में जल प्रवाह छोड़ने की तिथि पर चर्चा की गई तथा पानी की मांग का निर्धारण किया गया। बैठक में किसानों ने सुझाव दिया कि 18 मार्च तक तवा डेम से मूंग फसल के लिये पानी छोड़ने की व्यवस्था की जाए। कलेक्टर आदित्य सिंह ने बैठक में जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि ओसराबंदी कार्यक्रम पूर्व सूचना देकर जारी किया जाए और कोशिश की जाए कि नहर के अंतिम छोर पर स्थित किसान तक पानी हर हाल में पहुँचे। उन्होने कहा कि नहर से सिंचाई के लिये जल प्रदाय व्यवस्था में आवश्यकता पड़ने पर पुलिस बल व अतिरिक्त कर्मचारियों की व्यवस्था की जाएगी। उन्होने कहा कि नियम विरूद्ध तरीके से नहर का पानी लेने वालों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा बिना अनुमति के संचालित विद्युत पम्प जप्त किये जायेंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में कार्यपालन यंत्री जल संसाधन को निर्देश दिये कि सिंचाई कार्य की मॉनिटरिंग के लिये नियमित रूप से पेट्रोलिंग की जाये और इस दौरान जहां कहीं भी सायफन सिस्टम या हेडअप पाये जायें उन्हें तत्काल हटाया जाये ताकि नहर के अंतिम छोर पर स्थित खेत तक पानी पहुँच सके।

कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग डीके सिंह ने बताया कि तवा जलाशय में वर्तमान में जल भण्डारण का स्तर 349.10 मीटर है। इस जल स्तर पर जलाशय में उपयोगी जल भण्डारण क्षमता 949 मिलियन घन मीटर है। इसमें से हरदा एवं नर्मदापुरम् जिले के किसानों की मूंग की फसल के लिये 879 मिलियन घन मीटर पानी उपलब्ध हो सकेगा। उन्होने बताया कि हरदा संभाग के 19135 हेक्टेयर तथा टिमरनी संभाग अंतर्गत 19325 हेक्टेयर सहित कुल 38460 हेक्टेयर क्षेत्र में मूंग फसल की सिंचाई के लिये पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

किसान अब 21 मार्च तक करा सकेंगे चना, मसूर व सरसों का पंजीयन

हरदा , देशबन्धु। रबी विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत चना, मसूर एवं सरसों के पंजीयन की तिथि 21 मार्च तक बढ़ाई गई है। कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि पूर्व में चना, मसूर एवं सरसों के पंजीयन की तिथि 17 मार्च तक निर्धारित थी, किसान भाईयों के हितों को ध्यान में रखते हुए पंजीयन की तिथि को 21 मार्च तक बढ़ाया गया है। उन्होने किसानों से अनुरोध किया है कि 21 मार्च से पूर्व चना एवं सरसों फसल का पंजीयन करा लेवें, ताकि शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर फसल का उपार्जन किया जा सके। उन्होने बताया कि किसानों ने जिन केन्द्रों पर गेहूँ का पंजीयन कराया था, उन्हीं केन्द्रों पर चना, मसूर व सरसों का पंजीयन कराया जा सकता है। पंजीयन में किसी प्रकार की समस्या आने पर, कृषि विभाग के जिला या खण्ड स्तरीय कार्यालय में सम्पर्क किया जा सकता है।

भयावाड़ी में पदस्थ शिक्षिका के खिलाफ ग्रामवासियों ने की शिकायत

कलेक्टर, एसपी और जनजाति कार्य विभाग की एसी को सौंपा ज्ञापन

बैतूल, देशबन्धु। पीएम श्री हाईस्कूल भयावाड़ी में पदस्थ शिक्षिका लीना रायकवार और उनके पति अनिल चौधरी पर ग्रामवासियों ने गंभीर आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मेहरा समाज जिला अध्यक्ष संतू सूर्यवंशी के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने सोमवार को कलेक्टर, एसपी और जनजाति कार्य विभाग की एसी शिल्पा जैन को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि लीना रायकवार और उनके पति अनिल चौधरी ने इरादतन हत्या की नीयत से ग्राम भयावाड़ी निवासी आकाश कुदारे पर उस समय हमला किया जब वह फाग गा रहे थे। इस हमले में आकाश कुदारे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनका इलाज जिला चिकित्सालय बैतूल में चल रहा है। इस घटना को लेकर लीना और अनिल चौधरी पर भारतीय दंड संहिता की धाराओं 296, 115 (2), 3 (5), 3 (1) द. 3 (1) घ, 3 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ज्ञापन में आगे बताया गया कि लीना रायकवार और उनके पति अनिल चौधरी अक्सर ग्रामवासियों से विवाद करते रहते हैं। अनिल चौधरी झाड़-फूंक के कार्यों में संलग्न हैं और लोगों को जादू-टोना की धमकी देकर डराते-धमकाते हैं, जिससे गांव में भय का माहौल बना हुआ है। इसके अलावा, लीना रायकवार और उनके पति पर मकान कब्जे का भी आरोप है। उन्होंने तीन वर्ष पूर्व ग्राम में अखिलेश पटेल पिता गणेश पटेल का मकान किराए पर लिया था, लेकिन अब जब मकान मालिक मकान खाली कराने जाते हैं, तो लीना रायकवार महिला सुरक्षा का दुरुपयोग करते हुए थाने जाने की धमकी देती हैं। इससे मकान मालिक डरे हुए हैं।

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया कि लीना रायकवार ओबीसी जाति की हैं, लेकिन उन्होंने अनुसूचित जनजाति का प्रमाणपत्र बनाकर गलत तरीके से शिक्षक पद पर भर्ती ली है। यह मामला जांच का विषय है। ग्रामवासियों का कहना है कि लीना रायकवार और उनके पति के कारण गांव में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है, और इस तरह के शिक्षकों के संरक्षण में विद्यार्थियों का भविष्य भी अंधकारमय है। ग्रामवासियों ने एसपी से मांग की है कि ऐसे आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाए और लीना रायकवार का स्थानांतरण अन्यत्र किया जाए। इस पूरे मामले को लेकर गांव में भारी आक्रोश है और ग्रामवासी शीघ्र कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। ज्ञापन देने वालों में मेहरा समाज समिति के प्रांतीय अतिरिक्त प्रदेश अध्यक्ष अशोक नागले, प्रांतीय संरक्षक रमेश उपराले, प्रांतीय नोडल जी.सी. पूर्वे, शाहपुर ब्लॉक अध्यक्ष उमेश पाटले, जिला संगठन मंत्री संदीप सूर्यवंशी, कोषाध्यक्ष गोपाल बिहारे, जिला मंत्री दिलीप हथिया, बैतूल ब्लॉक अध्यक्ष संतोष वाघमारे, ब्लॉक उपाध्यक्ष रोशन सूर्यवंशी व गंगा बिसोने, जिला मुख्य संरक्षक गंगाराम घोड़ाहे, भीमपुर ब्लॉक अध्यक्ष सहदेव पाटिल सहित डॉ. भूतासिंह बड़ौदे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सर्व ब्राह्मण समाज संगठन ने मनाया फाग उत्सव

फूलों में सज रहे वृन्दावन बिहारी जैसे गीतों की प्रस्तुति पर खेली फूलों की होली

हरदा , देशबन्धु। होली खेल रहे बांके बिहारी,आज रंग बरस रहा,आज बृज में होली रे रसिया, फूलों में सज रहे वृन्दावन बिहारी एवं छोटी छोटी गैया,छोटे छोटे ग्वाल जैसे गीतों पर रविवार को मां रेवा गार्डन में सर्व ब्राह्मण समाज संगठन द्वारा आयोजित फाग उत्सव एवं होली मिलन समारोह में श्रद्धालु जमकर थिरके।

कार्यक्रम में मथुरा वृंदावन से पधारे श्री श्याम आर्ट्स एंड डांस ग्रुप के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत गीतों पर राधा कृष्ण बने कलाकारों एवं गोपियों ने नृत्य किया, वहीं श्याम चूड़ी बेचने आया गीत के दौरान सुहागिनों ने भगवान कृष्ण से चूड़ी खरीदी। वहीं बृज की होली की तर्ज पर फूलों की होली खेली गई,श्रद्धालुओं ने राधा कृष्ण पर फूल बरसाए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अखिल भारतीय संत समाज के महामंत्री हनुमान दास महाराज रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान परशुराम के पूजन से हुई।स्वागत उद्बोधन सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष सुनील तिवारी ने दिया।कार्यक्रम के दौरान नार्मदीय ब्राह्मण समाज मंदिर ट्रस्ट के नव निवाचित मुख्य ट्रस्टी अशोक पाराशर ,ट्रस्टी राजेंद्र गुहा,दीपक शुक्ला,संजय काशिव,ऋ षि पारे का सम्मान किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत हनुमानदास महाराज ने कहा कि ब्राह्मण ,अर्थ पर ध्यान न देकर ज्ञान अर्जन को महत्व दें।उन्होंने ब्राह्मणों को कर्तव्य निष्ठ होने का आग्रह किया।इस दौरान सर्व ब्राह्मण समाज के मुख्य संरक्षक राजेश पाराशर एवं अध्यक्ष सुनील तिवारी का जन्मदिवस मनाया गया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री लोकेश शर्मा ने किया।अंत में आभार उत्सव प्रभारी संदीप स्वामी ने व्यक्त किया।कार्यक्रम के दौरान संरक्षक चंद्रकांत शुक्ला,कार्यकारी अध्यक्ष आचार्य ओमप्रकाश पुरोहित,उपाध्यक्ष रोहित तिवारी,संयोजक प्रदीप पटेल, नितेश बादर,महामंत्री उत्तम तेनगुरिया,महिला इकाई अध्यक्ष विनीता राजोरिया, सचिव अदिति गुरु,अश्लेषा शुक्ला,युवा इकाई अध्यक्ष विवेक बादर, सुदीप मंडलोई,संदीप पुरोहित ,दीपक चौबे,प्रशांत शर्मा,दीपक जोशी,सचिन पंचोली,सक्षम स्वामी,चिन्मय पांडे,आदित गुरु सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

हिंदू वार्षिक कैलेंडर का हुआ विमोचन - सर्व ब्राह्मण समाज संगठन,जिला ज्योतिष परिषद, सर्व संत एवं पुजारी ब्राह्मण महासंघ के द्वारा हिंदुओं के त्यौहारों में दो दो तिथियों के असमंजस को ध्यान में रखते हुए सर्व सम्मति से एक तिथि एक त्यौहार विषय पर हिंदू वार्षिक कैलेंडर बनाया,जिसका विमोचन संत हनुमान दास महाराज एवं कर्मकांड एवं ज्योतिष से जुड़े विप्रो ने किया।इस दौरान पंडित ओमप्रकाश पुरोहित, पंडित मुरलीधर व्यास,पंडित हरिओम जोशी,पंडित लक्ष्मणाचार्य, पंडित विमल तिवारी,पंडित सुशील जोशी,पंडित रमेशचंद्र व्यास,पंडित राजेश व्यास, पंडित गणेश शर्मा ,पंडित पुष्पेंद्र दाधीच,पंडित बृजेश दाधीच,लाला दाधीच,दीपांशु दाधीच,पंडित विद्याधर उपाध्याय सहित ज्योतिष विद्वान उपस्थित रहे।

सूर्यवंशी ढोलेवार कुनबी समाज की नई समिति गठित

भगवान दास कापसे बने ब्लॉक अध्यक्ष

बैतूल, देशबन्धु। ग्राम खानपुर में विराजमान कुलदेवी मां अंबा जी के पावन स्थल पर सूर्यवंशी ढोलेवार कुनबी समाज की आशीरगढ़ परगना बैठक का भव्य आयोजन किया गया। इस बैठक में समाज के गणमान्य सदस्य, युवा संगठन की टीम और बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे। बैठक में समाज के संगठन को और मजबूत बनाने के लिए कई अहम निर्णय लिए गए।

बैठक में ब्लॉक समिति का गठन किया गया, जिसमें भगवान दास कापसे को ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनके साथ शिवपाल गंगारे को ब्लॉक उपाध्यक्ष, इमरत गंगारे को कोषाध्यक्ष और रामेश्वर पुंडे को सचिव बनाया गया। कुछ दिन पहले ही सुखदेव नारे को जिला प्रतिनिधि नियुक्त किया गया था। नई समिति के गठन से समाज को अधिक संगठित और प्रभावी रूप से कार्य करने की दिशा में एक मजबूत कदम बढ़ाया गया है। बैठक में समाज की एकजुटता और संगठनात्मक विकास पर विस्तार से चर्चा हुई। युवा संगठन की भूमिका पर विशेष ध्यान दिया गया और समाज को और सशक्त बनाने के लिए आगामी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक के बाद समाज के सदस्यों के लिए होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर समाज की एकता और भाईचारे का संदेश दिया। इस अवसर पर समाजसेवी अजय गंगारे के जन्मदिन को भी विशेष रूप से मनाया गया। उन्होंने समाजहित में 5100 की राशि समर्पित की और जरूरतमंदों की सहायता के लिए एक नई पहल की शुरुआत की। उनकी इस उदारता और समाज के प्रति समर्पण को सभी ने सराहा। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने समाज को नई ऊचाइयों तक पहुचाने के लिए एकजुट रहने का संकल्प लिया।

श्री हनुमानधाम मंदिर में आज होगा वृन्दावन होली महोत्सव

इटारसी । श्री हनुमानधाम मंदिर ओवरब्रिज के नीचे मंगलवार को शाम 7 बजे श्री वृन्दावन होली महोत्सव मनाया जाएगा। इस महोत्सव के अंतर्गत फूलों की होली खेली जाएगी। श्री हनुमानधाम मंदिर समिति ने मंदिर में होने वाले इस महोत्सव में शामिल होने भक्तों को आमंत्रित किया है। इस दौरान होली के रसिया के गीत होंगे और भक्तों पर फूलों की बरसात होगी।

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

इंडियन बैंक, शाखा - रायपुर, होशंगाबाद (म.प्र.)
फोन- 9146370206, ई-मेल : raipur.hoshangabad@indianbank.co.in
परिशिष्ट - IV {नियम-8(1)} कब्जा नोटिस (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि, अधोहस्ताक्षरी, जो कि **इंडियन बैंक** के प्राधिकृत अधिकारी हैं, ने वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन और प्रतिभूति हित का (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित उधारकर्ता/गारंटर को डिमांड नोटिस की तिथि एवं राशि नीचे में दर्शायी गयी है , उक्त नोटिस की प्राप्ति की तारीख से 60 दिनों के भीतर अदा करने जारी किया गया। उधारकर्ता/गारंटर द्वारा उक्त राशि चुकाने में असफल होने के कारण, एतदद्वारा उधारकर्ता/गारंटर को एवं जनता को सामान्य रुप से नोटिस दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 8 के साथ पठित अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त अधिकार का प्रयोग करते हुए यहां नीचे संपत्ति का कब्जा निम्नांकित दिनांक को ले लिया है। विशेष रूप से उधारकर्ता/गारंटर और जनसामान्य को एतद् द्वारा चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबधित कोई लेन देन नहीं करें। निम्नलिखित संपत्ति से संबधित किसी भी प्रकार का लेन देन इस पर वर्णित बकाया राशि के लिये **इंडियन बैंक** के निर्मित प्रभार के अध्यधीन होगी।
प्रतिभूत आस्ति के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता/गारंटर का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है.

क्र.	शाखा का नाम उधारकर्ता/गारंटीकर्ता/प्रोप्राइटर/ बंधककर्ता का नाम एवं पता	अचल सम्पत्ति का विवरण एवं चौहद्दी	मांग सूचना दिनांक/आधिपत्य सूचना दिनांक	बकाया राशि (मांग सूचना के अनुसार)
1.	शाखा - रायपुर होशंगाबाद उधारकर्ता - 1. "मृतक श्री मुस्ताक खान पुत्र श्री जरदार खान की संपत्ति को, जिसका प्रतिनिधित्व कानूनी उत्तराधिकारियों द्वारा किया जाता है अर्थात (1.) कसीदा बानो पत्नी श्री मुस्ताक खान, 2. श्रीमती कसीदा बानो (सह-उधारकर्ता) पत्नी श्री मुस्ताक खान 3. सभी ज्ञात और अज्ञात कानूनी उत्तराधिकारियों को।	संपत्ति का वह समस्त भाग जिसमें प्लॉट क्रमांक 10,11,12,13,14 क्षेत्रफल 3375 वर्ग फीट तथा प्लॉट क्रमांक 9 क्षेत्रफल 225 वर्ग फीट कुल क्षेत्रफल 3600 वर्ग फीट है, खसरा क्रमांक 77/2 पी एच क्रमांक 16 वार्ड नं 32 मौजा खोजनपुर तहसील व जिला होशंगाबाद में पंजीकरण उप-जिला होशंगाबाद व जिला होशंगाबाद श्री मुस्ताक खान के नाम पर है। सीमा: उत्तर: प्लॉट क्रमांक 9 का शेष भाग, दक्षिण: अन्य खुले प्लॉट, पूर्व: कॉलोनी रोड, पश्चिम: एसपीएम रेलवे लाइन	04.11.2024 12.03.2025	Rs. 975449/- (Nine lakh seventy five thousand four hundred forty nine) + interest and other expenses

दिनांक - 18.03.2025 प्राधिकृत अधिकारी, इंडियन बैंक

नर्मदापुरम, मंगलवार 18 मार्च 2025
संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

वक़्फ़ बोर्ड: मुस्लिमों की सुने सरकार!

भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार द्वारा वक़्फ़ संशोधन कानून के जरिये जैसे बदलाव प्रस्तावित हैं, उनके खिलाफ़ देश भर के मुस्लिमों में नाराज़गी है। इसकी बानगी सोमवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर दिखी। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने एक बड़ा प्रदर्शन कर सरकार को चेतावनी दी है कि यदि वक़्फ़ कानून संशोधन विधेयक (2024) वापस नहीं लिया गया तो इसके खिलाफ देशव्यापी आंदोलन होगा। बोर्ड के अतिरिक्त जमाते इस्लामी व जमीयत उलेमा-ए-हिन्द जैसे कई और संगठन शामिल हुए जो कि देश के अल्पसंख्यकों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पहले से ही सरकार इस बात से वाकिफ़ है कि मुस्लिम संगठनों की इससे नाराज़गी है। बेहतर होगा कि सरकार इस कानून को लाने का विचार ही त्याग दे। वैसे भी जब संशोधन कानून लाया गया तभी संसद के अलावा देश भर के मुस्लिमों तथा उन तमाम नाराज़ हैं जो नागरिकों की धार्मिक आज़ादी के पक्षधर हैं।

हालांकि इस प्रदर्शन को लेकर केन्द्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने अपनी सरकार के चिर-परिचित अंदाज में कांग्रेस तथा विपक्ष पर दोष मढ़ दिया और कहा कि वह इस कानून को लेकर देश भर में झूठ फैला रही है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कानून मुस्लिमों के हित में है। एक तरह से देश भर के वक़्फ़ों से उनकी ज़मीनें छीन लेने की साफ मंशा सरकार की दिखाई देती है। अब तक मस्जिदों को संचालित करने एवं उनका प्रबंधन करने वाले बोर्ड के काम-काज में संशोधित कानून के जरिये सरकार की न केवल दखलंदाजी बढ़ेगी बल्कि सभी स्थानों पर देश के प्रमुख दो सम्प्रदायों- हिन्दुओं व मुस्लिमों के बीच दूरी भी बढ़ेगी। बोर्ड पर सरकार या स्थानीय प्रशासन का नियंत्रण होने से मस्जिदों का रखरखाव भी कठिन हो जायेगा।

याद हो कि 2024 में सरकार संसद में वक़्फ़ संशोधन अधिनियम लेकर आई थी जिसका दोनों सदनों में तीव्र विरोध हुआ था। विपक्ष की मांग के आगे झुकते हुए इसे संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया था लेकिन उसमें सत्तारुढ़ भाजपा का बहुमत होने के कारण इसमें वे सारे संशोधन शामिल करने की सिफारिशें की गयीं जो कि सरकार या यूं कहें कि भाजपा चाहती है। लोगों में एक आम धारणा यह फैलाई गई है कि वक़्फ़ के पास अकूत ज़मीनें हैं जिनके बल पर मुस्लिमों की राजनीति होती है। सच तो यह है कि वक़्फ़ की जमीनों एवं अन्य परिसम्पत्तियों से ही मस्जिदों का खर्च निकलता है। आम धारणा यह भी है, जो कि सुनियोजित तरीके से फैलायी गयी है कि मस्जिदों में देश विरोधी तथा हिन्दू विरोधी कार्यक्रम चलाये जाते हैं। दरअसल यह भी भाजपा द्वारा ध्रुवीकरण का एक टूल है जो उसे हिन्दुओं के वोट दिलाने में मददगार साबित होता है। नये कानून के जरिये एक तरह से पूरा नियंत्रण सरकार के हाथों में चले जाने से मुस्लिमों को उनके धार्मिक कार्यक्रमों को सम्पन्न करने में न केवल कठिनाई आयेगी वरन दैनंदिन के कामों के लिये भी जिला प्रशासन पर निर्भर होना पड़ेगा।

यह एक तरह से एक समुदाय की धार्मिक आज़ादी में हस्तक्षेप होगा। इन कारणों से यदि मुस्लिम समुदाय प्रस्तावित कानून से नाराजज़ है तो वह स्वाभाविक ही है। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन उसी नाराज़गी के कारण होने वाला प्रदर्शन कहा जा सकता है जिसमें शामिल होने के लिये आयोजकों ने न केवल जेपीसी के सदस्यों को आमंत्रित किया बल्कि भाजपा के नेतृत्व में बने नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के सदस्यों से भी ऐसा ही आग्रह किया है।

इस कानून के विरोध पर रिजिजू का कहना वैसा ही है जैसा कृषि कानून पर सरकार तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित विभिन्न मंत्री कहते आये थे, कि यह कानून किसानों के हित में है। यह समझ से परे है कि भाजपा सरकार जो भी कानून लाती है वह किसी न किसी के हित में होने का दावा करती है, लेकिन सिर्फ उन्हें पता नहीं होता जिसका हित सरकार करना चाहती है। नोटबन्दी जनता के हित में थी पर जनता की समझ में नहीं आई, जीएसटी व्यवसायियों के हित में थी पर व्यवसायियों की समझ में नहीं आई और उन्होंने विरोध किया, कृषि कानून किसानों के हित में था पर किसानों की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध किया, संविधान की अनुच्छेद 370 का विलोपन जम्मू-कश्मीर के हित में था परन्तु वह वहां के नागरिकों की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध किया, तीन तलाक की समाप्ति मुस्लिमों के हित में थी पर उन्हें समझ में नहीं आई और उन्होंने विरोध किया तथा इलेक्टोरल बॉन्ड्स कानून मतदाताओं के हित में था पर मतदाताओं की समझ में नहीं आया और उन्होंने विरोध किया। सरकार का कोई भी कानून किसी की समझ में न आने तथा उनका विरोध होने का कारण यह है कि सरकार न तो इस पर सम्बन्धित पक्षों से बात करती है और न ही संसद में इस पर चर्चा करती है। विशेषज्ञों की तो दूर, सम्बन्धित मंत्रियों से तक विचार-विमर्श किये बिना कानून लागू हो जाते हैं। उपरोक्त सभी कानून ऐसे ही आये।

असली बात यह है कि भाजपा सरकार के सारे काम सिर्फ और सिर्फ एक ही उद्देश्य के इर्द-गिर्द घूमते हैं- वह है हिन्दू वोटों का ध्रुवीकरण। प्रस्तावित वक़्फ़ संशोधन कानून का मकसद भी यही लगता है। एक बार यह कानून लागू हो जाने के बाद साफ है कि देश के हर छोटे-बड़े शहर-कस्बे में वक़्फ़ की जमीनों पर कब्जे के लिये संघर्ष की जमीन तैयार हो जायेगी। वक़्फ़ की जमीनों पर सत्ता से जुड़े लोगों की नज़रें पहले से हैं। इसलिये संशोधन कानून का विरोध लाजिमी है।

छुड़ाए नहीं छूटेगा गुजरात के दंगों का दाग

गुजरात के 2002 के दंगों के तेईस साल हो चुके हैं। फिर भी हैरानी की बात नहीं है कि इस प्रकरण का जिक्र आना भर, प्रधानमंत्री के बौखला उठने के लिए काफी होता है। इसका ताजातरीन उदाहरण, अमरीकी वैज्ञानिक तथा पॉडकास्टर, लैक्स फ्रीडमैन के साथ प्रधानमंत्री मोदी के तीन घंटे लंबे पॉडकास्ट में सामने आया है। कहने की जरूरत नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह पॉडकास्ट, उनकी छवि निर्मित करने के अविराम जारी रहने वाले उद्यम के हिस्से के तौर पर और खासतौर पर उन अनेक मामलों में, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी की छवि बहुत शानदार नजर नहीं आती है, उनकी छवि को रंग-रोगन लगाकर चमकाने के सुविचारित तथा सुसंबद्ध प्रयास का ही हिस्सा है। इस सबसे जुड़ी निश्चिंतता के बावजूद, गुजरात के दंगों का जिक्र आते ही, प्रधानमंत्री मोदी अपना संतुलन ही खो बैठे लगते हैं।

न्यायपालिका द्वारा खुद को क्लीन चिट दिए जाने का अपना बार-बार का दावा दुहराने से भी नरेंद्र मोदी को संतोष नहीं हुआ और उन्होंने झूठी गाथा गढ़नी शुरू कर दी कि किस तरह, केंद्र में सत्ता में बैठे उनके राजनीतिक विरोधियों ने उन्हें दंगों के सिलसिले में आरोपों में फंसाने की और सजा दिलवाने की विफल कोशिश की थी। 'उस समय हमारे राजनीतिक विरोधी सत्ता में थे और स्वाभाविक रूप वे चाहते थे कि हमारे खिलाफ सभी आरोप चिपक जाएं। वे हमें सजा दिलाना चाहते थे। उनकी अनवरत कोशिशों के बावजूद, न्यायपालिका ने मेहनत से हालात का दो बार विश्लेषण किया और अंततः हमें पूरी तरह से निर्दोष पाया।' अपने साथ अन्याय की इस मोदी की गढ़ी हुई गाथा में सबसे बड़ा झूठ तो यही है कि 2002 की फरवरी के आखिर से गोधरा रेल अग्निकांड के बाद, गुजरात के अनेक हिस्सों में भड़की सांप्रदायिक हिंसा के समय ही नहीं, उसके करीब दो साल बाद तक सिर्फ गुजरात में ही नहीं, देश के पैमाने पर भी नरेंद्र मोदी के विरोधियों की नहीं, उनकी अपनी पार्टी की ही सरकार थी। हां! अटलबिहारी वाजपेयी की सरकार को भी मोदी अपने राजनीतिक विरोधियों की सरकार कह रहे हों, तो बात दूसरी है!

कहने की जरूरत नहीं है कि वाजपेयी सरकार ने कम से कम नरेंद्र मोदी को फंसाने और सजा दिलाने की कोई कोशिश नहीं की थी। अगर किसी भी स्तर पर सरकार नरेंद्र मोदी को सजा दिलाने की कोशिश कर रही होती, तो तब के गुजरात के मुख्यमंत्री को, दंगों की पृष्ठभूमि में गुजरात के दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री वाजपेयी के 'राजधर्म का पालन करें' का सार्वजनिक रूप से संदेश देने पर, 'वही तो कर रहे हैं' के उल्टे जवाब पर ही नहीं छोड़ दिया गया होता। नरेंद्र मोदी ने यहां, पार्टी में अपने विरोधियों को, आम तौर पर अपने विरोधियों के साथ मिला दिया लगता है। यह तो अब किसी से छुपा हुआ नहीं है कि गुजरात के दंगे के बाद, गोवा में हुई भाजपा की कार्यकारिणी की बैठक के मौके पर, अटल बिहारी वाजपेयी के अनुमोदन से भाजपा नेताओं के एक हिस्से ने, नरेंद्र मोदी को गुजरात के दंगों को संभालने में उनकी विफलताओं के लिए, मुख्यमंत्री पद से हटवाने की कोशिश की थी। इसे तब तक भाजपा में नंबर दो माने जाने वाले लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में, भाजपा कार्यकारिणी के बड़े हिस्से ने विफल कर दिया। बाद में भाजपा के कुछ अंदरूनी जानकारों ने तो

राजेंद्र शर्मा

> बेशक, नरेंद्र मोदी के विरोधी कोई समूचे परिदृश्य से गायब ही नहीं थे। विपक्षी, जैसी कि उनकी जिम्मेदारी थी, इन भयंकर दंगों के संदर्भ में मोदी सरकार की विफलताओं और उसके चलते जान-माल के भयावह नुकसान के खिलाफ लगातार और जोरदार तरीके से आवाज उठा रहे थे। और विपक्षी, जिसमें मुख्यधारा के मीडिया का बड़ा हिस्सा भी शामिल था, खासतौर पर इस भयावह सच्चाई के खिलाफ आवाज उठा रहे थे।

इसे 'वाजपेयी के खिलाफ बगावत' तक करार दिया था। इसी बगावत के बल पर नरेंद्र मोदी 'सजा' के तौर पर मुख्यमंत्री की कुर्सी गंवाते-गंवाते बचे थे। अगर यह किसी तरह से सजा होती तो उनकी अपनी पार्टी की अंदरूनी सजा होती, जिसका विरोधियों की फंसाने की किसी तरह की कोशिशों से कोई लेना-देना नहीं था।

बेशक, नरेंद्र मोदी के विरोधी कोई समूचे परिदृश्य से गायब ही नहीं थे। विपक्षी, जैसी कि उनकी जिम्मेदारी थी, इन भयंकर दंगों के संदर्भ में मोदी सरकार की विफलताओं और उसके चलते जान-माल के भयावह नुकसान के खिलाफ लगातार और जोरदार तरीके से आवाज उठा रहे थे। और विपक्षी, जिसमें मुख्यधारा के मीडिया का बड़ा हिस्सा भी शामिल था, खासतौर पर इस भयावह सच्चाई के खिलाफ आवाज उठा रहे थे कि सत्ताधारी संघ-भाजपा की संगठित संलिप्तता और पुलिस व प्रशासन के खुल्लमखुल्ला संरक्षण ने, इन दंगों को सांप्रदायिक दंगा नहीं रहने दिया था बल्कि मुस्लिम अल्पसंख्यकों के खिलाफ लगभग इकतरफा हमला ही बना दिया था।

हैरानी की बात नहीं है कि इस लंबे पॉडकास्ट में गुजरात के दंगों के सिलसिले में अपना काफी विस्तार से बचाव पेश करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने, गुजरात के इस दंगे को एक मुस्लिमविरोधी नरसंहार ही बना देने वाली इस विशिष्टता और वास्तव में अपनी खास विरासत की ओर से, ध्यान बंटाने की ही पूरी कोशिश की है। मोदी ने इस दंगे की भयावहता को कम करने की कोशिश में, इसका विस्तार से बयान किया है कि किस तरह गुजरात में इससे पहले भी दंगे होते आए थे, बराबर कहीं न कहीं कर्फ्यू लगता रहता था, गुजरात में तो बार-बार और 'पतंगबाजी के मुकाबले से लेकर साइकिलों के भिड़ने तक, मामूली बातों पर भी दंगे होते आए थे, कि 1969 का दंगा तो पूरे छः महीने से भी ज्यादा चला था' आदि, आदि। फिर भी नरेंद्र मोदी इस सच्चाई को छुपा नहीं सके हैं कि गुजरात में सांप्रदायिक दंगे तो पहले भी होते आए थे और दंगे नियोजित होने तथा शासन पर पक्षपात के आरोप भी लगते आए थे, लेकिन यह पहली बार था जब एक पूरे राज्य के पैमाने पर संगठित तरीके से और शासन के संरक्षण के साथ, इस तरह कमोबेश इकतरफा हिंसा हुई थी। मोदी के राज में हुए इस दंगे के इसी चरित्र की अभिव्यक्ति इन दंगों के दौरान जगह-जगह पर 'हिंदू राष्ट्र में स्वागत है' के बोर्ड लगाए जाने में हो रही थी। इसी के पूरक के तौर पर मुख्यमंत्री के कुर्सी पर बैठकर नरेंद्र मोदी खुद, मुसीबत के मारे मुस्लिम दंगा पीड़ितों की कोई भी मदद करने से साफ इंकार करते हुए, उनके शिविरों को 'बच्चा पैदा करने की फैक्टरियां' करार दे रहे थे। और अहमदाबाद में सूफी शायर वली गुजराती का मजार ध्वस्त करने के बाद, नगरपालिका द्वारा उस जगह पर सड़क बनवायी जा रही थी।

यह भी हैरानी की बात नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी गोधरा की ट्रेन आगजनी की घटना, आग में इतने सारे लोगों के जल कर मारे जाने का, 'अकल्पनीय पैमाने की त्रासदी' कहकर जिक्र ही नहीं करते हैं, फौरन इसे कांधार विमान अपहरण, लाल किले पर हमले, संसद पर हमले और यहां तक कि अमेरिका के 11 सितंबर समेत, तमाम आतंकवादी घटनाओं से जोड़ देते हैं, जबकि इन 23 वर्षों में इसमें किसी आतंकवादी कोण के कोई साक्ष्य तो निकल कर आए नहीं हैं। फिर भी ट्रेन आगजनी को आतंकवादी घटनाओं के क्रम में रखकर मोदी कहते हैं, 'आप कल्पना कर सकते हैं कि स्थिति कितनी तनावपूर्ण तथा उत्तेजनापूर्ण थी।' और इसके फौरन बाद, इसके बाद हुई भयावह हिंसा से सिर्फ इतना कहकर हाथ झाड़ लेते हैं कि, 'कुछ भी नहीं होना चाहिए, हम भी यही कामना करते हैं। सभी शांति की ही कामना करेंगे।' कुछ इसी प्रकार के शब्दों में प्रधानमंत्री मोदी ने पहले भी एक बातचीत में 2002 की गुजरात की घटनाओं पर यह कहते हुए दुःख जताया था कि, 'दुःख तो गाड़ी के नीचे कुत्ते का पिल्ला दब जाता है, तब भी होता है!'

लेकिन, प्रधानमंत्री मोदी इतने पर ही नहीं रुक गए। इसके फौरन बाद इशारों में उन्होंने 2002 के अल्पसंख्यक-विरोधी नरसंहार को, अपने राज की एक उल्लेखनीय उपलब्धि भी बता दिया। कैसे? 2002 के बाद से गुजरात में कोई दंगा जो नहीं हुआ है! (देश के गृहमंत्री, अमित शाह ने भी पिछले आम चुनाव की पूर्व-संध्या में ठीक यही दावा किया था।) 'गुजरे 22 वर्षों में गुजरात में एक भी बड़ा दंगा नहीं हुआ है...गुजरात पूरी तरह से शांतिपूर्ण बना हुआ है।' एक बड़ा मुस्लिमविरोधी नरसंहार और दंगों से हमेशा के लिए गुजरात जैसे दंगा-प्रभावित राज्य की भी छुट्टी!

रही बात दो-दो बार न्यायपालिका द्वारा उस समय के गुजरात के मोदी राज को 'पूरी तरह से निर्दोष' करार दे दिए जाने की, तो यह दोषमुक्ति कैसे हुई इसकी कहानी भी देशवासियों से छुपी हुई नहीं है। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उसी शीर्ष न्यायपालिका ने गुजरात दंगों के ही मामले में कितनी बार तथा क्या-क्या हस्तक्षेप किया था। और सर्वोच्च न्यायालय ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी की भूमिका पर कैसी टिप्पणियां की थीं, जिनमें उन्हें 'आधुनिक नीरो' करार दिया जाना भी शामिल था। बेशक, इस कथित दोषमुक्ति को हर चरण पर चुनौती देने वाली, इसी दंगे में मारे गए पूर्व-सांसद अहसान जाफरी की बेवा, जकिया जाफरी की जीवन की यात्रा, न्याय की उनकी लड़ाई के बीच में ही पूरी हो गयी। पर संजीव भट्ट के हलफिया बयानों में उठाए गए सवाल, उन्हें जेल की सलाखों के पीछे धकेल कर भी पूरी तरह से दबाए नहीं जा सकते हैं। इसीलिए तो, 2002 के दंगों पर बीबीसी की डॉक्यूमेंटरी का प्रदर्शन रुकवाने के लिए मोदी के नेतृत्व में पूरे भारतीय राज्य को जुटना पड़ता है। नरेंद्र मोदी, निजी तौर पर तो अदालत से दोषमुक्त हो सकते हैं, लेकिन उनके राज में हुए भयावह अल्पसंख्यकविरोधी नरसंहार की राजनीतिक जिम्मेदारी से कोई अदालत उन्हें बरी नहीं कर सकती है। मोदी के दामन से छुड़ाए नहीं छूटेगा गुजरात के दंगों का दाग।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

औरंगजेब, छावा और इकतरफा इतिहास

इतिहास का इस्तेमाल राजनीति में करने से साम्प्रायिक नफरत बढ़ रही है और पिछले कुछ सालों में इसमें कई नए मुद्दे जोड़ दिए गए हैं। आरएसएस की शाखाओं, सोशल मीडिया, भाजपा के आईटी सेल, मुख्यधारा का मीडिया, विशेषकर कई टीवी चैनलों के जरिए, अपने प्रोपेगेंडा को आगे बढ़ाने और ब्रेनवाश करने के अलावा अब फिल्मों के माध्यम से भी समाज में व्याप्त गलतफहमियों को गहरा करने का प्रयास किया जा रहा है.

हालिया अतीत में 'द केरला स्टोरी, कश्मीर फाईल्स' आदि फिल्मों ने समाज में नफरती उन्माद को बढ़ाने का काम किया है। कई अन्य फिल्मों जैसे स्वातंत्र्य वीर सावरकर, 72 हूरें, सम्राट पृथ्वीराज आदि अधिक सफलता हासिल नहीं कर सकीं। अब पूरे देश में और खासकर महाराष्ट्र में 'छावा' नामक फिल्म के शो हाउसफुल हो रहे हैं और नफरत को और बढ़ा रहे हैं। यह कोई इतिहास को दर्शाने वाली फिल्म नहीं है बल्कि शिवाजी सावंत के छावा नामक उपन्यास पर आधारित है। फिल्म में दिखाई गई कुछ असंगत बातों के लिए फिल्म के निर्माता पहले ही माफी मांग चुके हैं।

राम पुनियानी

> औरंगजेब ने 22 साल राज के बाद जजिया कर लगाया। लेकिन ब्राह्मण, अपाहिज और महिलाएं इससे मुक्त थे। यह धर्मपरिवर्तन का माध्यम नहीं था बल्कि संपत्तिकर की तरह था और 1.25 प्रतिशत की दर से वसूला जाता था। वहीं मुसलमानों को 2.50 प्रतिशत की दर से जकात देनी पड़ती थी। जहां तक सिक्ख गुरूओं को यंत्रणा दिए जाने की बात है, वह अनुचित था, लेकिन उसका मुख्य कारण मुगल प्रशासन और सिक्ख गुरूओं के बीच सत्ता संघर्ष था।

फिल्म में छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन की कुछ चुनिंदा घटनाओं को दिखाकर यह साबित करने का प्रयास किया गया है कि औरंगजेब जालिम और हिंदू विरोधी था। कुल 126 मिनिट की फिल्म में लगभग 40 मिनिट तक संभाजी महाराज को दी गई यंत्रणा को दिखाया गया है। फिल्म के इस हिस्से में फिल्म बनाने वालों ने एक काल्पनिक कथा के लेखक की तरह मनचाही बातें दिखाई हैं। पूरे आख्यान में मध्यकालीन इतिहास को उदार हिंदू राजाओं और दुष्ट मुस्लिम राजाओं के टकराव के रूप में पेश किया गया है।

संभाजी महाराज छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े पुत्र थे। शिवाजी के साम्राज्य में जो अधिकारी थे, उनमें से कई मुसलमान थे। मौलाना हैदर अली उनके विश्वासपात्र सचिव थे और सिद्धी संबल, इब्राहिम गर्दी और दौलत खान समेत उनकी सेना के 12 जनरल भी मुसलमान थे। जब उनका अफजल खां से आमना-सामना होने वाला था तब उन्हें एक लोहे के पंजे साथ ले जाने की सलाह दी गई जो उन्हें उनके सहायक रूस्तम-ए-जमान ने दिया था। अफजल खां को मौत के घाट उतारने के बाद अफजल खां के सचिव कृष्णाजी भास्कर कुलकर्णी ने शिवाजी पर हमला करने का प्रयास किया था।

शिवाजी पर आक्रमण करने वाली औरंगजेब की सेना के सेनापति राजा जयसिंह थे। शिवाजी को औरंगजेब के दरबार में पेश होने के लिए बाध्य किया गया और बाद में कैद कर लिया गया। उन्हें कैद से भागने में मदद करने वाले व्यक्ति का नाम मदारी मेहतर था, जो एक मुस्लिम राजकुमार था।

हिदुत्व के जनक सावरकर और गोलवलकर संभाजी के चरित्र पर ऊंगली उठाते हैं और सुरा-सुंदरी के प्रति उनकी आसक्ति का जिक्र करते हैं। इन्हीं आदतों के चलते शिवाजी ने उन्हें पनहाला किले में कैद कर दिया था। बाद में संभाजी ने शिवाजी के खिलाफ हुए युद्ध में औरंगजेब का साथ दिया। संभाजी बीजापुर के आदिलशाह के खिलाफ हुए युद्ध में भी औरंगजेब के सहयोगी थे।

शिवाजी की मौत के बाद हुए सत्ता संघर्ष में संभाजी के सौतेले भाई (शिवाजी की दूसरी पत्नि सोयराबाई के पुत्र) ने उन्हें जहर देने का प्रयास किया। साजिश का भंडाफोड़ होने के बाद संभाजी ने कई हिंदू अधिकारियों को मौत के घाट उतरवा दिया था। औरंगजेब के साथ हुए युद्ध के लिए औरंगजेब ने अपने जनरल राठौड को भेजा था। संभाजी के पकड़े जाने के बाद उन्हें अपमानित किया गया और यंत्रणा दी गई जिसे बहुत बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत किया गया है।

फिल्म के जरिए औरंगजेब के संबंध में कई मान्यताओं को और गहरा करने का प्रयास किया गया है। उन्हें अपने विरोधियों के प्रति अत्यंत क्रूर दिखाया गया है। यहां सवाल इन आरोपों का जवाब देने का नहीं है बल्कि साम्राज्यों के संचालन के तौर-तरीकों को समझने का प्रयास करने का है। राजाओं का अपने शत्रुओं के साथ बहुत क्रूर व्यवहार करना आम बात थी और इसके बहुत से उदाहरण मिलते हैं। इतिहासकार रूचिका शर्मा बताती हैं कि चोल राजाओं ने चालुक्य सेना को पराजित करने के बाद चालुक्य जनरल समुद्रराज का सिर धड़ से अलग कर दिया और उसकी सुंदर पुत्री की नाक काट दी। अशोक का कलिंग युद्ध भयावह निर्ममताओं के लिए जाना जाता है। राजाओं का अपने शत्रुओं के प्रति व्यवहार अत्यंत नृशंस होता था और उसे आज के मानदंडों की कसौटी पर नहीं कसा जा सकता और हम आज की घटनाओं के बारे में क्या कहेंगे जब मुसलमानों पर लगे आरोप अदालत में साबित होने के पहले ही बुलडोज़र उनके घरों को मिट्टी में मिला देते हैं।

हम उस हिंदू राजा के बारे में क्या कहेंगे जिसका एक किला एक पहाड़ की चोटी पर था और राजा के खिलाफ साजिश रचने वालों को हाथ-पैर बांधकर किले से गहरी घाटी में फेंक दिया जाता था? बाला सामंत ने अपनी पुस्तक में सूरत की लूटपाट के दौरान शिवाजी की सेना द्वारा ढाए गए जुल्मों का विवरण दिया है। सेना और जुल्म का बहुत निकट का संबंध था। शत्रुओं के साथ क्रूरता निश्चित ही निंदनीय है, लेकिन यह एक सामान्य बात थी। जब संभाजी की मराठा सेना ने गोवा पर आक्रमण किया, तब एक पुर्तगाली द्वारा दिए गए विवरण के अनुसार (जिसे इतिहासकार यदुनाथ सरकार ने उद्धत किया है) 'अब तक भारत में कहीं भी ऐसी निर्ममता नहीं देखी गई...'। हालांकि जुल्मों के इन विवरणों को गौर से देखा जाना चाहिए, लेकिन इससे यह स्पष्ट होता है कि हिंसा एक व्यापक प्रवृत्ति थी, भले ही उसका स्तर कम या ज्यादा होता था।

क्या औरंगजेब हिंदू विरोधी था? यह कहा जा सकता है कि औरंगजेब न तो अकबर जैसा था और ना ही दारा शिकोह जैसा। वह एक रूढ़िवादी व्यक्ति था और एक ओर जहां वह हिंदुओं और इस्लाम के गैर-सुन्नी पंथों को पसंद नहीं करता था, वहीं दूसरी ओर वह गठबंधन कायम करने में अत्यंत कुशल था और उसके प्रशासन में बहुत से हिंदू अधिकारी थे। जैसा कि प्रोफेसर अतहर अली बताते हैं कि औरंगजेब के प्रशासन में हिंदू अधिकारियों की संख्या अधिकतम (33 प्रतिशत) थी।

यह बिल्कुल सही है कि उसने कई मंदिरों को नष्ट किया। लेकिन उसने कामाख्या देवी (गुवाहाटी), महाकालेश्वर (उज्जैन) चित्रकूट बालाजी और वृंदावन में भगवान कृष्ण जैसे कई मंदिरों को धन भी दिया। शिवाजी भी हजरत बाब बहोत थोरवाले की सूफी दरगाह के लिए धन देते थे। पराजित राजा को अपमानित करने के लिए जीतने वाला राजा उस विशिष्ट पूजा स्थल को नष्ट करता था जो हारने वाले राजा से संबद्ध होता था। अब साम्प्रदायिक इतिहासकार मुस्लिम राजाओं द्वारा नष्ट किए गए मंदिरों की घटनाओं का चुन-चुनकर विवरण दे रहे हैं और मुस्लिम राजाओं द्वारा हिंदू मंदिरों को दिए गए दान की बात को छिपा रहे हैं।

औरंगजेब ने 22 साल राज के बाद जजिया कर लगाया। लेकिन ब्राह्मण, अपाहिज और महिलाएं इससे मुक्त थे। यह धर्मपरिवर्तन का माध्यम नहीं था बल्कि संपत्तिकर की तरह था और 1.25 प्रतिशत की दर से वसूला जाता था। वहीं मुसलमानों को 2.50 प्रतिशत की दर से जकात देनी पड़ती थी। जहां तक सिक्ख गुरूओं को यंत्रणा दिए जाने की बात है, वह अनुचित था, लेकिन उसका मुख्य कारण मुगल प्रशासन और सिक्ख गुरूओं के बीच सत्ता संघर्ष था।

साम्प्रदायिक इतिहाविद् साम्राज्यों के दौर के पूरे संदर्भ का हवाला दिए बिना विभिन्न स्त्रोतों से घटनाओं को चुनने में जुटे हुए हैं। राजा शत्रुओं से लड़ने के लिए अपनी सेनाओं को उत्साहित और प्रेरित करने हेतु धर्म का इस्तेमाल करते थे। हिंदू राजा धर्मयुद्ध और मुस्लिम राजा जिहाद का नाम लेते थे। दक्षिणपंथी इतिहासविद् अपने अनुकूल स्त्रोतों का चयन करते हैं और राजाओं को धर्म के चश्मे से देखते हैं। वे इस तथ्य को नजरअंदाज करते हैं कि राजाओं का लक्ष्य सत्ता और धन हासिल करना होता था। धर्म का इस्तेमाल यदि होता भी था तो अपने साम्राज्यों के विस्तार के मात्र एक औजार के रूप में, जो हो रहा है वह बांटने वाली राजनीति की ताकत बढ़ा रहा है और यह भारतीय संविधान के लिए बड़ा खतरा है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनियां)

आपके पत्र

नशे में लड़खड़ाती नई पीढ़ी

होली में दुगनी हुई नशीले पदार्थों की खपत देश में इस बार होली के अवसर पर कई गुना बढ़ी खपत। लगातार हो रही ड्रग्स की सप्लाई ने देशभर में अपराधों का इजाफा कर दिया है। इस बार होली में लगा कि पूरा युवा वर्ग नशे में लड़खड़ा कर डोल रहा है। होली के अवसर पर युवा बुजुर्ग यहां तक कि छोटे-छोटे जवान होते बच्चे भी नशे का शिकार हो चुके हैं और होली में शराब, गांजा, भांग ड्रग्स जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों को लेने का जन्मसिद्ध अधिकार समझ उसका भयानक तरीके से सेवन करने लगे हैं। नशीले पदार्थों की इस बार खपत पिछली बार की तुलना में लगभग दुगनी हो गई है। नशीले पदार्थों से हुई आपराधिक गतिविधियों में हुई तेजी शासन, प्रशासन तथा पुलिस के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया है। नशीले पदार्थों की अंतरराष्ट्रीय, अंतर राज्यीय तस्करी देश तथा विश्व के लिए एक बड़ा सिरदर्द बनी हुई है। यह चुनौती इसलिए भी है कि पिछले वर्ष में अपराधियों ने सूखे नशे का सेवन कर अपराध की वारदातें की हैं, नशे की लत में आकर अपराधियों में महानगरों मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई में लगातार बलात्कार, लूट, डकैती,और राहगीरों की हत्या जैसे अपराधों को जन्म दिया है।

दूसरी तरफ सूखे नशे की लत में स्कूल और कॉलेज के युवा तथा बच्चे अपना भविष्य खराब करने पर आमादा है। पिछले कुछ माह में मुंबई नारकोटिक्स इकाई ने ताबड़तोड़ छापेमारी कर बड़ी मात्रा में चरस, कोकीन, गांजा, स्मैक की बड़ी तादाद में जब्त कर कई नामचीन अभिनेता, अभिनेत्रियों को गिरफ्तार कर प्रकरण न्यायालय के हवाले किया है। दूसरी तरफ दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता में भी पुलिस प्रशासन द्वारा सीधे कड़ी कार्रवाई की हैं। वर्तमान में शराब तो सामाजिक बुराई बना ही हुआ है साथ ही साथ सूखा नशा भी समाज के लिए गंभीर चुनौती बना हुआ है। सूखे नशे के मामले में केंद्र के सर्वोच्च नेतृत्व में यानी प्रधानमंत्री ने भी गंभीरतापूर्वक इसे रोकने के लिए चिंता जताई है। देश में न सिर्फ ड्रग्स के नशे का इस्तेमाल किया जा रहा है बल्कि बड़े पैमाने पर इसकी तस्करी कर अवैध कारोबार भी किया जा रहा है। ड्रग्स का नशा सामाजिक विडंबना बना हुआ है। तब देश में नए वर्ष के आगमन के पूर्व बड़े-बड़े आलीशान होटलों मैं सूखे नशे की पार्टियां आयोजित करने की तैयारी कर ली है, ऐसे में पुलिस के केंद्र सरकार के तथा राज्य सरकार के आला अधिकारी इसे रोकने के लिए हर संभव प्रयास की रणनीति बनाने में जुट गए हैं और शासन तथा पुलिस प्रशासन अपना पूरा ध्यान सूखे नसे को प्रतिबंधित करने में लगे हुए हैं। मूलत: मुंबई, गोवा और पाकिस्तानी सरहद से लगे क्षेत्र और राज्य से सूखे नशे पदार्थों की आवक सभी राज्यों में होती है। निस्संदेह इसे गंभीर षड्यंत्र के रूप में लिया जाना चाहिए।

-संजीव ठाकुर

ललित सुरजन की कलम से

नेता क्यों पढ़ें?

'दिल्ली में आप यदि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यालय जाएं तो वहां साम्यवाद और उससे जुड़े आंदोलनों इत्यादि पर पुस्तकें मिल जाएंगी। इस दृष्टि से कांग्रेस की स्थिति चिंतनीय है। यदि देश की राजधानी में स्थित उनके मुख्यालय में पुस्तक बिक्री की व्यवस्था नहीं है तो राज्यों अथवा जिलों में स्थित कार्यालयों में ऐसा कोई इंतजाम होगा इसकी कल्पना करना ही बेकार है। कांग्रेस पार्टी ने इस बारे में आज तक कभी कोई विचार किया या नहीं, कहा नहीं जा सकता। लेकिन इस वक्त जब पार्टी के कर्णधारों के पास सोचने-विचारने के लिए कुछ वक्त है तब शायद इस ओर ध्यान देना अच्छा होगा।'

'भारतीय जनता पार्टी की दुकान पर सरदार पटेल की जीवनी बिक्री के लिए रखी गई है तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है। भाजपा प्रधानमंत्री तो सरदार की ऐसी प्रतिमा स्थापित करना चाहते हैं जो विश्व में सबसे ऊंची हो। इस पुस्तक विक्रय केन्द्र में स्वामी विवेकानंद की पुस्तकें भी अवश्य होंगी, जिन्हें भाजपा ने बड़ी खूबसूरती से अपना आदर्श घोषित कर रखा है। भाजपा के जो अन्य प्रेरणा पुरुष हैं उनके लिखित ग्रंथ भी यहां होंगे। फिर शायद अटल बिहारी वाजपेयी के कविता संग्रह भी। साथ ही लालकृष्ण अडवानी, जसवंत सिंह की आत्मकथाएं भी शायद उपलब्ध होंगी। इनके बरक्स कांग्रेस को देखें तो एक सौ पच्चीस साल के इतिहास में कांग्रेसजनों ने जितना लिखा है उसकी कोई थाह ही नहीं है। अगर वे चाहें तो भाजपा से चौगुनी बड़ी दुकान चला सकते हैं। बशर्ते कांग्रेसजनों में किताबें खरीदने और पढ़ने की तमीज हो!'

(देशबन्धु में 03 जुलाई 2014 प्रकाशित)

https://lalitsurjan.blogspot.com/2014/07/blog-post.html

विश्व समाजकार्य दिवस

आधुनिक परिवेश में समाजकार्य मात्र दिखावा बनकर ना रह जाए

अनेक संतों ने भी देश के सामाजिक विकास में अमूल्य योगदान दिया हैं। आज भी देश में कुछ गुमनाम समाज कार्यकर्ता अपने काम से मानवता और समाज को विकसित करने के लिए अपना सब कुछ न्योछावर कर चुके हैं। अपने लिए तो हर कोई जीता है, लेकिन जो खुद से पहले औरों का विचार करें, निःस्वार्थ भाव से लोगों के लिए जियें और खुद के प्रसिद्धि के लिए कभी ढिंढोरा नहीं पिटे, वही सच्चे सामाजिक कार्यकर्ता कहलाते हैं।

हर साल मार्च माह के तीसरे मंगलवार को 'विश्व समाजकार्य दिवस' दुनियाभर में मनाया जाता हैं। इस साल विश्व सामाजिक कार्य दिवस 2025 की थीम है 'स्थायी कल्याण के लिए अंतर-पीढ़ीगत एकजुटता को मजबूत करना'। यह थीम पीढ़ियों के बीच एक-दूसरे की देखभाल करने और सम्मान करने के महत्व पर प्रकाश डालती है। समाजकार्य जीवन में सद्भाव, समानता और मानव विकास कल्याण पर केंद्रित हैं। मनुष्य होने के नाते, समाज के प्रत्येक व्यक्ति में परोपकार की भावना होनी चाहिए। महान लोग अक्सर कहते थे कि निःस्वार्थ भाव से समाजकार्य या लोगों की मदद करो, तो किसी को पता न चले, इस तरह करें, ताकि सेवा लेनेवाले को भी शर्मिंदगी या हिचक न महसूस हो और हम में भी अहंकार का निर्माण न हों। अच्छा कर्म करके भूल जाओ, हर धर्म और महापुरुषों ने भी यही सीख दी है, यही हमारे संस्कार भी होने चाहिए। अगर हम सक्षम है, चाहे तन, मन, धन या ज्ञान से हो, तो अवश्य हमें असहायों की अपनी क्षमता अनुरूप बिना किसी अपेक्षा के मदद करनी चाहिए। अच्छे कामों को हमेशा सराहना मिलनी चाहिए, ताकि अन्यों को भी प्रेरणा मिलें, लेकिन दिखावा बिल्कुल नहीं होना चाहिए। अतिसामान्य वयोवृद्ध गरीब ग्रामीण मजदूर माउंटेनमैन दशरथ मांझी ने अकेले 22 साल के अथक संघर्ष से पहाड़ काटकर लोगों के लिए मार्ग बनाया और इतिहास रच दिया। आर्थिक कमी से जूझते हुए उनका परिवार तंगहाली में जिया, लेकिन कभी किसी से अपेक्षा नहीं की। आज भी देश-दुनिया में अनेक ऐसे समाजसेवी है जो अतिसामान्य जीवन जीते है लेकिन उनके काम असामान्य होते है, भले ही बहुत से समाजसेवी आधुनिकता की चकाचौंध और प्रसिद्धि से दूर है लेकिन कभी-कभार इनके बारे में देखने-सुनने मिलता है तो बड़ा फख्र और सुकून महसूस होता हैं।

वैसे तो अधिकतम संस्थान, एनजीओ धनोपार्जन के केंद्र बने हुए है, फिर भी कुछ संस्थान आर्थिक तंगी से जूझते हुए भी सही अर्थों में समाजसेवा कार्य में लगे हुए हैं। अनाथ बच्चे, बेसहारा वृद्ध, कुंवारी माता, दिव्यांग, मानसिक रोगी, एचआईवी पीड़ित बालक, नशेड़ी, गंभीर रोगों से ग्रस्त मरीज जैसे अनेक जरूरतमंदों का सहारा बनकर संस्थान उन्हें बेहतर जीवन जीने का मौका देती हैं। ये समाज जिन्हें अपनाने से मना कर देता है, अपने ही मरने के लिए छोड़ देते हैं, उन्हें ऐसे संस्थान निःस्वार्थ भाव से अपनाते है, इसे ही समाजकार्य कहते हैं।

प्रियंका सौरभ

खेल जगत

टीम बदलाव के दौर से निपटने में सक्षम: मेहदी हसन

ढाका, 17 मार्च (एजेंसियां)। बंगलादेश के दाएं हाथ के बल्लेबाज मेहदी हसन मिराज का मानना है कि टीम में पर्याप्त अनुभवी खिलाड़ी है और वे प्रमुख वरिष्ठ खिलाड़ियों के हाल ही में संन्यास लेने के बाद चल रहे बदलाव के दौर से उबरने में सक्षम है। शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में मेहदी ने कहा, 'फिलहाल टीम में छह से सात खिलाड़ी ऐसे हैं जो सात से 10 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्हें अब नया नहीं कहा जा सकता। यह एक प्रक्रिया है। हमें अभी फैसला लेना चाहिए और दीर्घकालिक दृष्टिकोण के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए। विश्वकप में अभी दो से ढाई साल का समय है, इसलिए हमें तुरंत टीम तैयार करनी होगी।' उन्होंने कहा, 'चयन में निरंतरता महत्वपूर्ण है। टूर्नामेंट से दो या तीन महीने पहले ही तैयारी शुरू करना बहुत मुश्किल होगा।

कप्तान हरमनप्रीत को कोर ग्रुप के 36 संभावितों के राष्ट्रीय हॉकी शिविर के लिए दिया गया आराम

- अपनी शादी के कारण स्ट्राइकर मनदीप सिंह भी शिविर में नहीं
- चीफ कोच फुल्टन बोले, ध्यान हाल के प्रदर्शन का आत्मावलोकन पर

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 17 मार्च (देशबन्धु)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम दिल्ली में रविवार को सम्पन्न सातवें सालाना हॉकी इंडिया अवार्ड के बाद सोमवार से बेंगलुरु में सीनियर राष्ट्रीय हॉकी प्रशिक्षण शिविर के लिए बेंगलुरु लौट आई। हॉकी इंडिया ने एफआईएच प्रो हॉकी लीग 2024-25 के लिए यूरोप में होने वाले अगले चरण के लिए हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय शिविर के लिए कोर ग्रुप के लिए 36 संभावितों को चुना है। 21 मार्च को महिला हॉकी टीम की डिफेंडर हिसार की उदिता दुहान के साथ सात फेरे ले शादी के बंधन में बंधने जा रहे तेज तर्रार स्ट्राइकर मनदीप सिंह को कोर ग्रुप के इस शिविर में शामिल नहीं किया गया है। लगातार खेल रहे भारत के कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को इस शिविर के लिए आराम दिया गया है।

पुरुष एफआईएच प्रो हॉकी लीग 2024-25 में भारतीय टीम टीम ने इस साल अपना अभियान अपने घर भुवनेश्वर में आठ में से पांच मैच जीत कर किया। भारतीय टीम एफआईएच प्रो लीग में अंक तालिका में फिलहाल में पांच जीत दर्ज कर 15 अंकों के साथ इंग्लैंड (16 अंक) और बेल्जियम (16 अंक) के बाद तीसरे स्थान पर है। इंग्लैंड की टीम अपने बेहतर गोल अंतर के कारण पहले स्थान पर है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के चीफ कोच क्रेग फुल्टन ने संभावितों के इस शिविर की बाबत कहा, 'हमारे भारतीय हॉकी खिलाड़ियों के लिए यह बेहद व्यस्त सीजन रहा है और इसमें इन सभी को लगातार बड़े टूर्नामेंटों में शिरकत करनी पड़ी और उत्कृष्ट मैच खेलने पड़े। हमारे 28 मार्च तक चलने वाले 36 कोर ग्रुप के संभावितों के इस राष्ट्रीय शिविर में हमारा ध्यान फिटनेस और कंडीशनिंग (शारीरिक अनुकूलन) के साथ हाल के प्रदर्शन का आत्मावलोकन के साथ यह जानने पर रहेगा हम कहां खड़े है। हमारी टीम की कोशिश खुद को एफआईएच प्रो लीग के यूरोप में खेले जाने वाले मैचों के लिए खुद को तैयार करने की रहेगी। साथ ही मेरी दिलचस्पी इस बात में भी रहेगी कि नई प्रतिभाएं उम्मीदों पर कितना खरा उतरती हैं।

हॉकी इंडिया द्वारा भारत के राष्ट्रीय शिविर के लिए कोर ग्रुप के लिए चुने गए 36 संभावित हैं:

- गोलरक्षकः कृष्ण बहादुर पाठक, सूरज करकेरा, पवन,मोहित हन्नहल्ली शशिकुमार।
- रक्षापंक्तिः जर्मनप्रीत सिंह,अमित रोहिदास, सुमित,संजय,जुगराज सिंह, अमनदीप लाकरा, नीलम संजीप खेस, वरुण कुमार यशदीप सिवाच।
- मध्य पंक्तिः राज कुमार पाल,शमशेर सिंह, मनप्रीत सिंह,हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद,नीलकांत शर्मा , मोइरंगथम रबिचंद्र सिंह, मोहम्मद रहील मौसीन, विष्णुकांत सिंह, राजिंदर सिंह, पुवन्ना सीबी।
- अग्रिम पंक्तिः अभिषेक नैन, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय, गुरजंट सिंह, अंगद वीर सिंह, आदित्य अर्जुन ललगे, बॉबी सिंह धामी, सुदीप चिरिमाको, सेल्वम कार्ति, शिलानंद लाकरा, दिलप्रीत सिंह, उत्तम सिंह।

स्विस ओपन 2025

सिंधु, सेन की नजरें बासेल में शीर्ष फॉर्म पर

बासेल, 17 मार्च (एजेंसियां)। पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन मंगलवार को बासेल में शुरू हो रहे 250,000 डॉलर इनामी स्विस ओपन में शीर्ष फॉर्म हासिल करने की कोशिश करेंगे। टूर्नामेंट में सभी श्रेणियों में मजबूत भारतीय उपस्थिति होगी। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और 2022 स्विस ओपन चैंपियन सिंधु को सातवीं वरीयता दी गई है और वह पहले दौर में साथी भारतीय मालविका बंसोड़ से भिड़ेंगी। सिंधु को पिछले हफ्ते हैमस्ट्रिंग की चोट से वापसी के बाद ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के पहले दौर में बाहर होना पड़ा था, जबकि मालविका ने सिंगापुर की यो जिया मिन पर आत्मविश्वास बढ़ाने वाली जीत दर्ज की। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन का सामना पहले दौर में एचएस प्रणय से होगा। 2016 स्विस ओपन जीतने वाले प्रणय चिकनगुनिया से वापसी के बाद से ही फॉर्म से जूझ रहे हैं और उन्हें शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। दूसरी ओर, लक्ष्य ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे और हाल ही में जोनाथन क्रिस्टी को हराया। स्विस ओपन भारत के लिए एक सफल टूर्नामेंट रहा है, जिसमें सिंधु, प्रणय, के श्रीकांत, समीर वर्मा, साइना नेहवाल और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी सहित पिछले चैंपियन शामिल हैं। पेरिस ओलंपिक के बाद यह लक्ष्य और प्रणय की पहली भिड़ंत होगी, जहां लक्ष्य चौथे स्थान पर रहे थे।

- सिंधु को सातवीं वरीयता दी गई है और वह पहले दौर में साथी भारतीय मालविका बंसोड़ से भिड़ेंगी
- पुरुष एकल में लक्ष्य सेन का सामना पहले दौर में एचएस प्रणय से होगा

टूर्नामेंट में अन्य भारतीयों में महिला एकल में आकर्षि कश्यप और अनुपमा उपाध्याय शामिल हैं। कश्यप का सामना क्वालीफायर से होगा, जबकि उपाध्याय का सामना डेनमार्क की लाइन होजमार्क केजर्सफेल्ड से होगा। रक्षिता श्री संतोष रामराज अपने पहले मैच में लाइन क्रिस्टोफरसेन से भिड़ेंगी। पुरुष एकल में, किरण जॉर्ज, जो इंडिया ओपन सुपर 750 में क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे, का सामना डेनमार्क के राससस गेम्के से होगा, जबकि प्रियांशु राजावत का सामना स्विट्जरलैंड के टोबियास कुएंजी से होगा।

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के बाद, महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद (चौथी वरीयता प्राप्त) एलाइन मुलर और केली वैन ब्यूटेन के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेंगी। ड्रॉ में शामिल अन्य भारतीय महिला जोड़ियों में प्रिया कोनजेंगबाम/श्रुति मिश्रा और आरती सारा सुनील/वर्षिनी विश्वनाथ श्री शामिल हैं। मिश्रित युगल में, सतीश करुणाकरण और आद्या वरियाथ कोसीला ममेरी और तानिना वायलेट ममेरी के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करेंगे। पुरुष एकल क्वालीफायर में किदांबी श्रीकांत, आयुष शेट्टी, थारुण मन्नेपल्ली, एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम और सतीश शामिल हैं, जबकि महिला एकल क्वालीफायर में इशारानी बरुआ, तस्नीम मीर और अनमोल खरब चुनौती पेश करेंगी।

ड्रेपर ने इंडियन वेल्स में अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीता

इंडियन वेल्स, 17 मार्च (एजेंसियां)। जैक ड्रेपर ने इंडियन वेल्स ओपन में अपने करियर के सबसे बड़े फाइनल में अपना पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीतने के लिए शानदार प्रदर्शन किया। 23 वर्षीय ब्रिटिश खिलाड़ी ने शिखर मुकाबले में होल्गर रूण के खिलाफ 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। ड्रेपर और रूण 2021 के बाद से इंडियन वेल्स में मास्टर्स फाइनल में प्रतिस्पर्धा करने वाले पहले गैर शीर्ष 10 खिलाड़ी हैं। 'यह अविश्वसनीय है। मुझे इसकी उम्मीद नहीं थी। मैंने समय के साथ बहुत मेहनत की है और मैं यहां खेलने के लिए बहुत आभारी और खुश हूं, मेरा शरीर स्वस्थ है, मुझे बहुत अच्छा महसूस हो रहा है।' ड्रेपर ने अपनी एक घंटे, नौ मिनट की जीत के कुछ क्षण बाद कहा, 'पिछले कुछ वर्षों में मैंने जो भी काम किया है, वह बड़े मंच पर एक साथ आ रहा है और मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकता।' इन्फोसिस एटीपी स्टैट्स के अनुसार, ड्रेपर ने शुरुआती सेट में सर्विस पर केवल चार अंक गंवाए और 5-0 की बढ़त के लिए ब्रेक का मौका रखा।

एंड्रीवा ने सबालेंका को हराकर इंडियन वेल्स का महिला एकल खिताब जीता

इंडियन वेल्स, 17 मार्च (एजेंसियां)। मीरा एंड्रीवा ने इंडियन वेल्स ओपन के फाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को 2-6, 6-4, 6-3 से हराकर लगातार दूसरा डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीता। 17 वर्षीय रूसी खिलाड़ी 1999 में सेरेना विलियम्स के बाद सबसे कम उम्र की इंडियन वेल्स ओपन चैंपियन बन गई हैं, और 1998 में मार्टिना हिंगिस और सेरेना के बाद टूर्नामेंट के इतिहास में तीसरी सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं।

फाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका को 2-6, 6-4, 6-3 से

एंड्रीवा ने पिछले महीने दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब जीतने के बाद एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए लगातार 12वां मैच जीता। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, एंड्रीवा 2009 में प्रारूप की शुरुआत के बाद से लगातार 12 डब्ल्यूटीए 1000 जीत दर्ज करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं।

एंड्रीवा ने कोर्ट पर अपने भाषण में कहा, 'मैं अंत तक लड़ने और हमेशा मुझ पर विश्वास करने तथा कभी हार न मानने के लिए खुद को फिर से धन्यवाद देना चाहूंगी। मैंने आज खरगोश की तरह दौड़ने की कोशिश की। बस बने रहना वाकई मुश्किल था, इसलिए मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और इसलिए मैं खुद को धन्यवाद देना चाहती हूं, क्योंकि मुझे लगता है कि मैंने भी इसमें थोड़ी भूमिका निभाई।' एंड्रीवा, टोक्यो 2005 में मारिया शारापोवा द्वारा लिंडसे डेवनपोर्ट को हराने के बाद से डब्ल्यूटीए फाइनल में विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी को हराने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं।

आईपीएल कप्तानों की बैठक 20 मार्च को बीसीसीआई कार्यालय में होगी

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीमों के सभी कप्तान इस गुरुवार को एक महत्वपूर्ण प्री-सीजन मीटिंग के लिए मुंबई में एकत्रित होने वाले हैं। जैसा कि क्रिकबज ने हाल ही में संक्षेप में बताया था, यह बैठक दोपहर में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के मुख्यालय में होगी। कप्तानों के अलावा, सभी 10 फ्रेंचाइजी के प्रबंधकों को भी इसमें शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। बीसीसीआई/आईपीएल प्रबंधन द्वारा फ्रेंचाइजी को भेजे गए ईमेल के अनुसार, क्रिकेट सेंटर में होने वाली यह बैठक - जो कि एक ब्रीफिंग से अधिक है - एक घंटे तक चलेगी। इस दौरान, टीमों को आगामी सीजन के लिए नए परिवर्तन और बदलावों के बारे में सूचित किया जाएगा। ब्रीफिंग के बाद ताज होटल में प्रायोजक गतिविधियां होंगी। कुल मिलाकर, यह कार्यक्रम चार घंटे का होगा, जिसका समापन सभी कप्तानों के पारंपरिक फोटो शूट के साथ होगा। आमतौर पर, ये बैठकें और फोटो सत्र उस शहर में आयोजित किए जाते हैं जहां सीजन ओपनर होता है। हालांकि, इस बार, यह कार्यक्रम बीसीसीआई कार्यालय में आयोजित किया जा रहा है, जिससे पता चलता है कि नियमों के सामान्य मूल्यांकन से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ हो सकता है। सभी टीमों के कप्तानों की पुष्टि हो चुकी है, हाल ही में अक्षर पटेल को दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान बनाया गया है। अन्य नौ कप्तान हैं: हार्दिक पांड्या (एमआई), पैट कमिंस (एसआरएच), रुतुराज गायकवाड़ (सीएसके), रजत पाटीदार (आरसीबी), ऋषभ पंत (एलएसजी), श्रेयस अय्यर (पीबीकेएस), संजू सैमसन (आरआर), अजिंक्य रहाणे (केकेआर), और शुभमन गिल (जीटी)।

विभिन्न शिविरों से प्राप्त नवीनतम अपडेट के अनुसार, अधिकांश कप्तान चैंपियंस ट्रॉफी में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के साथ अपनी-अपनी टीमों में रिपोर्ट कर चुके हैं। पैट कमिंस रविवार को हैदराबाद पहुंचे। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के बावजूद पूरे सीजन के लिए अपनी उपलब्धता का वादा किया है, जो 11 जून को लॉर्ड्स में शुरू होगा - 25 मई को आईपीएल फाइनल के ठीक दो हफ्ते बाद आईपीएल की शुरुआत 22 मार्च को कोलकाता के ईडन में होगी।

सार संक्षेप

चोटिल उमरान मलिक की जगह चेतन सकारिया हुए केकेआर में शामिल

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने चोटिल तेज गेंदबाज उमरान मलिक की जगह बाएं हाथ के तेज गेंदबाज़ चेतन सकारिया को आईपीएल 2025 के लिए अपने दल में शामिल किया है। मलिक ने आखिरी बार आईपीएल 2024 में कोई प्रतिस्पर्धी मैच खेला था, तब उन्हें सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ़ से सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला था। वहीं सकारिया भी चोट से वापस आ रहे हैं। उन्होंने फरवरी 2024 में सौराष्ट्र के लिए कोई रणजी ट्रॉफी मैच खेला था। मलिक हालिया समय में लगातार चोटिल रहे हैं, जिसके कारण वह 2024-25 का पूरा घरेलू सीजन नहीं खेल पाए। उन्होंने अब तक आठ टी20 में 10.48 की इकॉनमी से रन देते हुए 11 विकेट लिए हैं। वहीं सकारिया ने भी भारत के लिए दो टी20 खेला है, जिसमें उनके नाम 9.27 की इकॉनमी से रन देते हुए एक विकेट है।

अनुभवी फाफ डू प्लेसिस को दिल्ली कैपिटल्स का उप-कप्तान नियुक्त किया गया

नई दिल्ली। अनुभवी बल्लेबाज फाफ डू प्लेसिस को आगामी 2025 इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) सीजन के लिए दिल्ली कैपिटल्स का उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। फ्रेंचाइजी ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट के जरिए यह खबर साझा की। डू प्लेसिस ने फ्रेंचाइजी द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'आपका मतलब अभी है? मैं घर पर हूं, मैं और कहां होता? हां, यह सच है, मैं डीसी का उप-कप्तान हूं और मैं बहुत उत्साहित हूं। दिल्ली शानदार रही है, लड़के शानदार रहे हैं, निश्चित रूप से खुश हूं और मैं तैयार हूं।' दिल्ली स्थित फ्रेंचाइजी ने पिछले साल जेद्दा में मेगा नीलामी में डू प्लेसिस को 2 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। नीलामी से पहले उन्हें उनकी पिछली फ्रेंचाइजी - रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने उन्हें रिलीज कर दिया था।

इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20: इंडिया मास्टर्स ने जीता खिताब, टूर्नामेंट में छाए रहे सचिन, युवराज

नई दिल्ली। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इंटरनेशनल मास्टर्स लीग टी20 2025 के फाइनल मुकाबले में इंडिया मास्टर्स ने वेस्टइंडीज मास्टर्स को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। वेस्टइंडीज मास्टर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 148 रन बनाए, जिसके जवाब में इंडिया मास्टर्स ने 17.1 ओवर में 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस शानदार जीत के नायक रहे अंबाती रायडू, जिन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। वेस्टइंडीज मास्टर्स की शुरुआत शानदार रही। सलामी बल्लेबाज ड्वेन स्मिथ ने 35 गेंदों में 45 रन की तेज पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल थे।

हम एलएसजी में ऐसी जगह बनाना चाहते हैं, जहां लोग आकर अपनी बात कह सकें : ऋषभ पंत

- 24 मार्च को विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलने के लिए तैयार

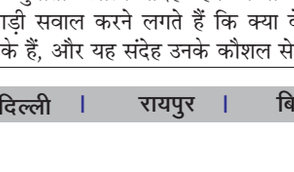

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 अभियान की शुरुआत से पहले, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान ऋषभ पंत ने कहा कि उनका प्रयास टीम में ऐसा माहौल बनाना है, जहां आने वाले लोग अपनी बात खुलकर कह सकें। एलएसजी आईपीएल 2025 सीजन का अपना पहला मैच 24 मार्च को विशाखापत्तनम के एसीए-वीडीसीए क्रिकेट स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलने के लिए तैयार है, जिसकी कप्तानी पहले पंत कर चुके हैं। 'हम ऐसी जगह बनाना चाहते हैं, जहां लोग आकर अपनी बात कह सकें। यह एक बहुत ही सरल विचार है। इसे कहना आसान है, करना नहीं, क्योंकि इसके लिए हर व्यक्ति को बहुत प्रयास करना पड़ता है।' पंत ने सोमवार को फ्रेंचाइजी के सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में अपने एलएसजी साथियों से कहा, 'यह सिर्फ़ प्रबंधन की बात नहीं है; मुझे लगता है कि खिलाड़ियों की वजह से ही हम ऐसा माहौल बना पाते हैं। क्योंकि एक खिलाड़ी के तौर पर मैंने हमेशा यही महसूस किया है कि अगर आप अपने खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं और उन्हें पर्याप्त भरोसा देते हैं, तो वे आपको किसी भी स्तर पर आगे बढ़ा सकते हैं। मुझे लगता है कि समूह में बहुत अनुभव है, और प्रबंधन के पास भी बहुत अनुभव है।' एलएसजी दो बार एलिमिनेटर में बाहर होने से पहले आईपीएल 2022 और 2023 सीजन के प्लेऑफ में पहुंची।

मालदीव, बांग्लादेश के खिलाफ हमें निश्चित रूप से जीत की आवश्यकता है : राहुल भेके

शिलांग, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय सीनियर पुरुष टीम ने शिलांग में दो प्रशिक्षण सत्र किए हैं और बांग्लादेश के खिलाफ एएफसी एशिया कप क्वालीफायर (25 मार्च) और मालदीव के खिलाफ तैयारी के लिए मैत्रीपूर्ण मैच (19 मार्च) की तैयारी कर रही है। डिफेंडर राहुल भेके का मानना है कि इन दो मैचों में जीत से कम कुछ भी टीम के लिए विफलता होगी। भेके, जिन्होंने मालदीव का एक बार और बांग्लादेश का दो बार सामना किया है (सभी 2021 में), उन्हें लगा कि पिछले चार वर्षों में तीनों टीमों में बहुत बदलाव हुए हैं। 'मैंने पहले भी दोनों टीमों के खिलाफ खेला है, लेकिन पिछली बार उनसे मिले हुए कुछ साल हो गए हैं। मैंने हाल के मैचों की उनकी क्लिप देखी हैं। वे दोनों अच्छी टीमें हैं जो एशिया कप के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य रखती हैं। इसलिए, हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की आवश्यकता है। ये दो घरेलू मैच हैं जिन्हें हमें निश्चित रूप से जीतना होगा।' मालदीव की 22 सदस्यीय टीम रविवार को मेघालय की राजधानी में उतरी और ब्लू टाइगर्स का सामना करने से पहले दो प्रशिक्षण सत्र में हिस्सा लेगी। नवंबर में मलेशिया के खिलाफ भारत के आखिरी मैच में गोल करने वाले भेके ने कहा, 'हमने शिविर की अच्छी शुरुआत की है, जिसमें दो ठोस प्रशिक्षण सत्र शामिल हैं। हमारे दोस्ताना मैच से पहले हमारे पास अभी दो दिन और हैं, और यह 25वें मैच (बांग्लादेश के खिलाफ) के लिए शानदार तैयारी है। मुझे लगता है कि मालदीव एक अच्छा परीक्षण होगा क्योंकि वे बांग्लादेश जैसी ही टीम हैं।'

दो मैचों में जीत से कम कुछ भी टीम के लिए विफलता होगी: राहुल भेके

'खुद पर विश्वास रखें' युवा खिलाड़ी, : हार्दिक पांड्या

आगामी सत्र के लिए टीम बनाने में पिछले साल से मिली सीख का विश्लेषण किया : पांड्या

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का 2025 सीजन अब बस कुछ ही दिनों की दूरी पर है, और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने कहा कि दस टीमों के टूर्नामेंट में आने वाले युवाओं के लिए उनका संदेश है कि वे खुद पर विश्वास रखें और उतार-चढ़ाव के बीच तटस्थ रहें। पांड्या ने जियो हॉटस्टार से कहा, 'आईपीएल में आने वाले युवा खिलाड़ी बेहद प्रतिभाशाली हैं। उनके लिए मेरा संदेश सरल है- खुद पर भरोसा रखें। वे यहां इसलिए हैं क्योंकि वे काफी अच्छे हैं, लेकिन इस स्तर पर सबसे बड़ी चुनौती आत्म-संदेह है। कभी-कभी, खिलाड़ी सवाल करने लगते हैं कि क्या वे इस स्तर के हैं, और यह संदेह उनके कौशल सेट को कम कर सकता है। 'उस मानसिक पहलू को प्रबंधित करना महत्वपूर्ण है। मैं उन्हें जो कुछ दे सकता हूं, वह मैंने वर्षों में सीखे सबक हैं।

इस खेल में उतार-चढ़ाव होंगे। कुंजी केवल एक सीजन के लिए नहीं बल्कि

'खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 युवाओं के लिए आगे बढ़ने का बड़ा अवसर' : नवदीप सिंह

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। 2024 पैरालंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नवदीप सिंह का मानना है कि खेलो इंडिया पैरा गेम्स पैरा-एथलीटों के निरंतर विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है और यह देश में पैरा खेलों को बढ़ावा देने में सरकार की गहरी दिलचस्पी को दर्शाता है। खेलो इंडिया पैरा गेम्स (केआईपीजी 2025) का दूसरा संस्करण गुरुवार को शुरू होने वाला है। अर्जुन पुरस्कार विजेता एथलीट ने बताया कि कैसे यह टूर्नामेंट पैरा-एथलीटों के लिए खेल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मदद कर रहा है। नवदीप ने साई मीडिया से कहा, 'केआईपीजी 2025 वरिष्ठ एथलीटों के लिए एक-दूसरे के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने का एक बेहतरीन मंच है। हम हर समय एक-दूसरे को प्रेरित भी करते हैं। यह हमें अपने प्रशिक्षण मॉड्यूल का परीक्षण करने और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पहले अपनी ताकत और कमजोरियों का अभ्यास करने में मदद करता है। हमें नवोदित एथलीटों से मिलने और प्रतियोगिताओं पर अलग-अलग विचारों और विचारों का आदान-प्रदान करने का भी मौका मिलता है।'

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

बजाज फिनसर्व	3.59 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	2.41 प्रतिशत
एक्सिस बैंक	2.36 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.91 प्रतिशत
अडानी पोर्ट्स	1.63 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

आईटीसी	0.98 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	0.76 प्रतिशत
एसबीआई	0.69 प्रतिशत
रिलायंस	0.56 प्रतिशत
एशियन पेंट	0.50 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	89833
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	1,06,000
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	87. 33	87.40
पौंड स्टर्लिंग	106.21	106.45
यूरो	88.45	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	3100-3200
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4280-4380
चीनी एम	4280-4380
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4250-4350

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	6700-6800
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	9000-9100
मूंग दाल	9250-9350
अरहर दाल	8500-8600

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

अप्रैल से फरवरी में भारत का स्मार्टफोन निर्यात 54 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। लेटेस्ट इंडस्ट्री डेटा के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 (अप्रैल-फरवरी) के 11 महीनों में भारत का स्मार्टफोन निर्यात 1.75 लाख करोड़ रुपए (21 अरब डॉलर) के आंकड़े को पार कर गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि के आंकड़े से 54 प्रतिशत अधिक है।

■ **पीएलआई योजना से भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान निर्यात में आई तेजी**

इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि उन्हें उम्मीद है 2024-25 के दौरान स्मार्टफोन निर्यात 20 अरब डॉलर (1.68 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच जाएगा, लेकिन इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के 11 महीनों में ही यह आंकड़ा अनुमान के पार पहुंच चुका है।

स्मार्टफोन के नेतृत्व में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स सामान निर्यात में हाल के वर्षों में तेजी आई है, जिसका श्रेय सरकार की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को जाता है, जिसने एप्पल और उसके सप्लायर्स जैसी विदेशी टेक कंपनियों को आकर्षित करने में सफलता प्राप्त की है। पीएलआई योजना ने निर्यात को बढ़ावा दिया है और आयात को

कम किया है, क्योंकि घरेलू उत्पादन अब घरेलू मांग का 99 प्रतिशत पूरा करता है। तमिलनाडु स्थित फॉक्सकॉन प्लांट के साथ एप्पल के आईफोन सप्लाई

उम्मीद है 2024-25 के दौरान स्मार्टफोन निर्यात 20 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा : अश्विनी वैष्णव

चेन द्वारा लगभग 70 प्रतिशत निर्यात में योगदान दिया गया, जो विदेशी शिपमेंट का लगभग 50 प्रतिशत है। फॉक्सकॉन कारखाने से निर्यात में पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि की तुलना में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई। बाकी का 22 प्रतिशत निर्यात आईफोन विक्रेता टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स से आया, जिसने कर्नाटक में विस्ट्रॉन स्मार्टफोन निर्माण कारखाने का अधिग्रहण किया है।

भारत में निर्यात के लिए एयरपॉड्स का उत्पादन शुरू करने की तैयारी में एप्पल

नई दिल्ली। 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देते हुए एप्पल देश में निर्यात के लिए एयरपॉड्स का स्थानीय उत्पादन शुरू करने वाला है। आईफोन के बाद कंपनी का यह दूसरा प्रोडक्ट है, जो उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के कारण सफल रहा है। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, एप्पल एयरपॉड्स का उत्पादन फिलहाल निर्यात के उद्देश्य से किया जा रहा है। एप्पल का यह प्रोडक्ट एक्टिव नॉइज कैंसिलेशन फीचर के बिना आता है। एप्पल एयरपॉड्स का उत्पादन अप्रैल तक हैदराबाद में फॉक्सकॉन प्लांट में शुरू होने वाला है। हालांकि, एप्पल एयरपॉड्स के स्थानीय उत्पादन को लेकर कंपनी की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

काउंटरपॉइंट के लेटेस्ट रिसर्च के अनुसार, 2024 में भारत के टीडब्ल्यूएस बाजार शिपमेंट में सालाना आधार पर 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। शिपमेंट में वृद्धि मौसमी बिक्री आयोजनों, किफायती पेशकशों और अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए उपयोग विस्तार के साथ-साथ बड़े स्तर पर चैनल उपलब्धता के कारण हुई। इस बीच, सरकार की उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत, एप्पल ने चालू वित्त वर्ष के 10 महीनों (अप्रैल-जनवरी) के लिए भारत से 1 लाख करोड़ रुपये के उच्चतम आईफोन निर्यात के आंकड़े को छू लिया।

केंद्र ने की '5जी इनोवेशन हैकाथॉन 2025' की घोषणा

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने सोमवार को '5जी इनोवेशन हैकाथॉन 2025' की घोषणा की। छह महीने की अवधि वाली इस पहल का उद्देश्य सामाजिक और औद्योगिक चुनौतियों से निपटने के लिए इनोवेटिव 5जी पावर्ड सॉल्यूशन के विकास में तेजी लाना है।

संचार मंत्रालय के अनुसार, छात्रों, स्टार्टअप और पेशेवरों के लिए यह कार्यक्रम मेंटरशिप, फंडिंग और 100 से अधिक 5जी यूज केस लैब तक पहुंच प्रदान करता है। इससे प्रतिभागियों को दूरदर्शी विचारों को स्केलेबल टेक्नोलॉजी में बदलने में मदद मिलती है। विजेताओं को पुरस्कार भी दिए जाएंगे, जिसमें प्रथम स्थान के लिए 5,00,000 रुपए, दूसरे स्थान के लिए 3,00,000 रुपए और तीसरे स्थान के लिए 1,50,000 रुपए तय किए गए हैं।

इसके अलावा, सर्वश्रेष्ठ विचार और मोस्ट इनोवेटिव प्रोटोटाइप को भी सम्मानित किया जाएगा, जिसके लिए प्रत्येक को 50,000 रुपए मिलेंगे।

दस प्रयोगशालाओं को सर्वश्रेष्ठ 5त्न उपयोग मामले के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र और उभरते संस्थान से सर्वश्रेष्ठ

विचार के लिए एक प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। बेस्ट 5जी यूज केस के लिए 10 लैब्स को सर्टिफिकेट्स दिए जाएंगे। इसके अलावा, उभरते संस्थानों में से एक को बेस्ट आइडिया के लिए सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

हैकाथॉन प्रमुख 5जी एप्लीकेशन पर केंद्रित प्रपोजल को इनवाइट कर रहा है, जिसमें एआई-ड्रिवन नेटवर्क का रखरखाव, आईओटी-इनेबल्ड सॉल्यूशन, 5जी ब्रॉडकास्टिंग, स्मार्ट हेल्थ, कृषि, इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन, गैर-स्थलीय नेटवर्क (एनटीएन), डीटूएम, वीटूएक्स और क्वांटम कम्युनिकेशन शामिल हैं।

प्रतिभागियों को वास्तविक दुनिया से जुड़ी परेशानियों के समाधान के लिए नेटवर्क स्लाइसिंग, क्वालिटी ऑफ सर्विस और कॉल-फ्लो परिदृश्यों जैसी 5जी सर्विस का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

नियो व मिड-साइज बैंक ने बीएफएसआई जीसीसी में बढ़ाई भारत की हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। भारत में नियो और मिड-साइज बैंक बड़े ग्लोबल बैंकिंग दिग्गजों को फॉलो करते हुए तेजी से वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) खोल रहे हैं। एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस बढ़ते रुझान को भारत के बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विस एंड इंश्योरेंस (बीएफएसआई) सेक्टर में एक बड़े बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जो देश में इस इंडस्ट्री के लिए नए अवसरों का संकेत देता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि नियो बैंक, जो बिना किसी फिजिकल ब्रांच के पूरी तरह से ऑनलाइन काम करते हैं, इस बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस तरह के डिजिटल-ओनली बैंक अक्सर स्वतंत्र रूप से काम करते हैं या इनोवेटिव बैंकिंग सर्विस प्रदान

करने के लिए पारंपरिक बैंकों के साथ साझेदारी करते हैं। आने वाले वर्षों में नियो बैंक के बाजार में शानदार वृद्धि होने की उम्मीद है। पीडब्ल्यूसी की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, नियो-बैंकिंग बाजार का मूल्य 2026 तक 395 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो 2018 में मात्र 19 बिलियन डॉलर था। यह तेज वृद्धि वैश्विक स्तर पर डिजिटल बैंकिंग सर्विस को अपनाने में वृद्धि और भारत के बैंकिंग इनोवेशन और सर्विस के लिए एक प्रमुख केंद्र बनने की क्षमता को दर्शाती है।

पेपर इंडस्ट्री में वर्ष 2025-26 में आएगी रिकवरी, मार्जिन में भी होगा सुधार

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)।भारत की पेपर इंडस्ट्री में वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत रिकवरी देखने को मिल सकती है। साथ ही, मार्जिन में भी सुधार होगा। यह जानकारी सोमवार को एक रिपोर्ट में दी गई है।

केयरएज रेटिंग्स की रिपोर्ट में बताया गया कि वित्त वर्ष 24 और वित्त वर्ष 25 के पहले नौ महीनों में कच्चे माल की लागत में इजाफा होने और आयात बढ़ने के कारण पेपर इंडस्ट्री को मुश्किलों का सामना करना पड़ा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, वुड पल्प की कीमतों में स्थिरता और आयात में कमी के कारण वित्त वर्ष 26 में पेपर इंडस्ट्री के ऑपरेटिंग मार्जिन में लगभग 2 प्रतिशत का सुधार होने का अनुमान है।

रिपोर्ट में बताया गया कि पेपरबोर्ड और पैकेजिंग सेगमेंट, जिसका

योगदान वित्त वर्ष 24 में इंडस्ट्री की आय में 55 प्रतिशत का था, में ई-कॉमर्स के बढ़ते चलन और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध के कारण 8.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

इसके अतिरिक्त, प्रिंटिंग और राइटिंग पेपर सेगमेंट को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और शिक्षा पर बढ़े हुए सरकारी खर्च से लाभ मिलने की उम्मीद है, जिससे इंडस्ट्री लंबी अवधि में विकास के लिए तैयार है।

■ **पेपर इंडस्ट्री लंबी अवधि में विकास के लिए तैयार**

केयरएज रेटिंग्स के एसोसिएट डायरेक्टर डी नवीन कुमार ने कहा कि भारतीय पेपर इंडस्ट्री एक महत्वपूर्ण मोड़ पर है। बढ़ते आयात और कच्चे माल की लागत में मुद्रास्फीति जैसी चुनौतियों ने वित्त वर्ष 24 और वित्त वर्ष 25 के पहले 9 महीनों में मार्जिन को प्रभावित किया है, लेकिन यह क्षेत्र सुधार के लिए तैयार है। लागत में स्थिरता और मजबूत मांग के चलते वित्त वर्ष 26 में मार्जिन में सुधार का समर्थन करेंगे। उन्होंने आगे कहा, कंपनियों को प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए आधुनिकीकरण, लागत अनुकूलन और टिकाऊ पैकेजिंग पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

सार संक्षेप

स्पाइसजेट में प्रमोटर समूह करेगा 294.09 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली। विमानन सेवा कंपनी स्पाइसजेट ने सोमवार को घोषणा की कि उसके संस्थापक और प्रमोटर समूह कंपनी में 294.09 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर बताया कि यह निवेश 13,14,08,514 वारंट को समान संख्या में इक्विटी शेयरों (13.14 करोड़ शेयर) में बदलकर किया जाएगा। इस निवेश से स्पाइसजेट में प्रमोटर समूह की हिस्सेदारी मौजूदा 29.11 प्रतिशत से बढ़कर 33.47 प्रतिशत हो जाएगी। कंपनी के अनुसार यह धनराशि प्रमोटर ग्रुप की सहयोगी कंपनी स्पाइस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से निवेश की जाएगी। कंपनी के प्रमोटर अजय सिंह 3.15 करोड़ इक्विटी शेयरों का निपटान कर रहे हैं, जिससे प्राप्त राशि का उपयोग स्पाइस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड को वारंट के बदले शेयर आवंटन के समय शेष 75 प्रतिशत राशि को आंशिक रूप से निधि देने के लिए किया जाएगा।

श्रीराम फाइनेंस ने जुटाया 30.6 करोड़ डॉलर से अधिक का फंड

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (एसएफएल) ने विभिन्न बहुपक्षीय और द्विपक्षीय विकास वित्तीय संस्थानों से 30.6 करोड़ डॉलर से अधिक का फंड जुटाने की घोषणा की। कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर बताया कि यह फंडिंग श्रीराम फाइनेंस के सामाजिक वित्त ढांचे के तहत प्राप्त हुई है और इसमें एशियाई विकास बैंक (एडीबी), जापान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआईसीए) और एक्ज़िम बैंक ऑफ इंडिया (एग्जिम) जैसी प्रमुख वैश्विक वित्तीय संस्थाओं ने भागीदारी की है। भारत में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान है, जो 30 प्रतिशत जीडीपी और 45 प्रतिशत निर्यात में योगदान देता है। इस फंडिंग का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई क्षेत्र के लिए वित्तपोषण को बढ़ावा देना है।

मारुति सुजुकी इंडिया ने 4 प्रतिशत तक बढ़ाई कीमत

नई दिल्ली। प्रमुख वाहन निर्माता मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने इस साल तीसरी बार कीमत बढ़ाए जाने का ऐलान किया। 4 प्रतिशत तक की यह कीमत वृद्धि बिक्री में कमी के बीच बढ़ती इनपुट लागत की भरपाई के लिए की जा रही है, जो अप्रैल से प्रभावी होगी। कंपनी की एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, अगले महीने से वाहनों की कीमत में वृद्धि मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। मारुति सुजुकी इंडिया ने कहा कि बढ़ती इनपुट लागत और परिचालन व्यय को देखते हुए कंपनी ने अप्रैल, 2025 से अपनी कारों की कीमतों में वृद्धि करने की योजना बनाई है। कीमत में 4 प्रतिशत तक की वृद्धि होने की उम्मीद है और यह मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने कहा कि हालांकि कंपनी लगातार लागत को अनुकूलित करने और अपने ग्राहकों पर पड़ने वाले असर को कम करने का प्रयास करती है।

लिवाली की बदौलत बाजार की गिरावट थमी

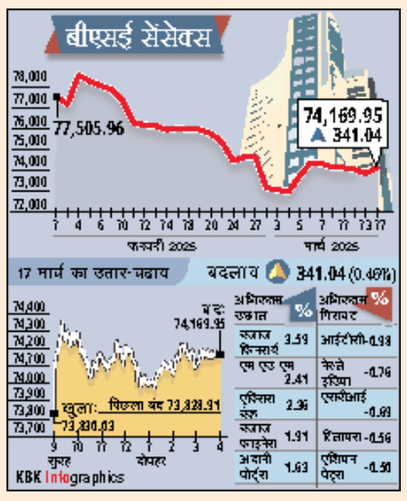

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। विश्व बाजार की तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत शेयर बाजार की पिछले लगातार पांच दिन की गिरावट आज थम गई। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 341.04 अंक अर्थात 0.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 73 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 74,169.95 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 111.55 अंक यानी 0.5 प्रतिशत उछलकर 22,508.75 अंक पर बंद हुआ। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में घटबढ़ रही। इससे मिडकैप 0.77 प्रतिशत की छलांग लगाकर 39,364.08 अंक हो गया लेकिन स्मॉलकैप 0.02 प्रतिशत फिसलकर 43,834.27 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4241 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2507 में गिरावट जबकि 1605 में तेजी रही वहीं 129 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 33 कंपनियों में लिवाली जबकि 17 में बिकवाली हुई।

बीएसई में दूरसंचार, एफएमसीजी और रियल्टी की 0.35 प्रतिशत तक की गिरावट को छोड़कर अन्य 18 समूहों में लिवाली हुई। इससे कमोडिटीज 0.92, सीडी 0.48, ऊर्जा 0.19, वित्तीय सेवाएं 0.83, हेल्थकेयर 1.12,

इंडस्ट्रियल्स 0.30, आईटी 0.09, यूटिलिटीज 0.41, ऑटो 0.80, बैंकिंग 0.71, कैपिटल गुड्स 0.46, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.34, धातु 0.91, तेल एवं गैस 0.10, पावर 0.46, टेक 0.27, सर्विसेज 0.58 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.05 प्रतिशत मजबूत रहे।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.23, जर्मनी का डैक्स 0.11, जापान का निक्केई 0.93, हांगकांग का हैंगसेंग 0.77 और चीन का शंघाई कंपोजिट

■ **सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,169.95 अंक पर**
■ **निफ्टी 0.5 प्रतिशत उछलकर 22,508.75 अंक पर बंद**

0.19 प्रतिशत चढ़ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स मामूली बढ़त के साथ 73,830.03 अंक पर सपाट खुला लेकिन बिकवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 73,796.06 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, दमदार लिवाली के बल पर इसके थोड़ी देर बाद ही 74,376.35 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में बजाज फिनसर्व 3.59, महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.41, एक्सिस बैंक 2.36, बजाज फाइनेंस 1.91, अडानी पोर्ट्स 1.63, आईसीआईसीआई बैंक 1.45, सन फार्मा 1.26, जोमैटो 1.22, अल्ट्रासिम्को 1.07, टाटा मोटर्स 0.84, एचसीएल टेक 0.58, भारती एयरटेल 0.47, कोटक बैंक 0.46, एचडीएफसी बैंक 0.24, मारुति 0.24 और टाइटन 0.13 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, आईटीसी 0.98, नेस्ले इंडिया 0.76, एसबीआई 0.69, रिलायंस 0.56, एशियन पेंट 0.50, टीसीएस 0.43, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.22, पावरग्रिड 0.19, एलटी 0.17, टेक महिंद्रा 0.09 और एनटीपीसी के शेयर 0.03 प्रतिशत गिर गए।

भारत के टॉप सात शहरों की कैपिटल वैल्यू 128 प्रतिशत तक बढ़ी : रिपोर्ट

मुंबई, 17 मार्च (एजेंसियां)। टॉप सात शहरों के प्रमुख माइक्रो मार्केट में 2021 के आखिर से 2024 के बीच कैपिटल वैल्यू 128 प्रतिशत तक बढ़ गई, जबकि रेंटल वैल्यू में धीमी गति से वृद्धि हुई है। सोमवार को जारी एक लेटेस्ट रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

एनारोक के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, प्रमुख सात शहरों बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, एनसीआर, मुंबई महानगरीय क्षेत्र, कोलकाता और चेन्नई में से नोएडा के सेक्टर 150 में सबसे अधिक पूंजी का निवेश किया गया, जिससे इस अवधि में संपत्ति का मूल्य 128 प्रतिशत तक बढ़ा।

हालांकि, इस क्षेत्र में स्टैंडर्ड 1,000 वर्ग फीट (वर्ग फीट) 2बीएचके के लिए किराये के मूल्यों में केवल 66 प्रतिशत की ही वृद्धि दर्ज की गई।

हैदराबाद, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन (एमएमआर) और नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) जैसे प्रमुख शहरों में भी इसी तरह के रुझान देखे गए, जहां संपत्ति की कीमत, किराये के मूल्यों के मुकाबले अधिक वृद्धि देखी गई।

■ **मुंबई के चेंबूर में कैपिटल वैल्यूज में 48 प्रतिशत की वृद्धि**

उदाहरण के लिए, मुंबई के चेंबूर में, कैपिटल वैल्यूज में 48 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि किराये में वृद्धि 42 प्रतिशत रही। रिपोर्ट में कहा गया है कि मुलुंड में, किराये के मूल्यों में केवल 29 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि कैपिटल वैल्यूज में 43 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हैदराबाद के हाईटेक सिटी और गचीबावली में भी यही पैटर्न रहा, जहां कैपिटल वैल्यूज में क्रमशः 62 प्रतिशत और 78 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि किराये में 54 प्रतिशत और 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बेंगलुरु के रियल एस्टेट बाजार में मिश्रित रुझान देखने को मिले।

खाद्य तेलों में टिकाव, अरहर दाल महंगी व अन्य जिंसों के भाव स्थिर

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा जबकि मांग निकलने से अरहर दाल महंगी हो गई वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में अप्रैल का पाम ऑयल वायदा 91 रिंगिट लुढ़ककर 4603 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। वहीं, अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.13 सेंट की तेजी के साथ 41.72 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में

अरहर दाल में 100 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। **अनाज :** अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे : **दाल-दलहन :** चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7300-7400, मूंग दाल 9250-9350, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 8500-8600 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

भारत पर टैरिफ का असर न के बराबर होगा : एसबीआई

नई दिल्ली, 17 मार्च (एजेंसियां)। सोमवार को एसबीआई रिसर्च की एक लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक भारत पर यूएस ट्रेड रेसिप्रोकल टैरिफ का प्रभाव न के बराबर पड़ेगा। ऐसा इसलिए क्योंकि देश अपने निर्यात में विविधता ला चुका है साथ ही मूल्य संवर्धन (वैल्यू एडिशन) पर जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा, भारत वैकल्पिक क्षेत्रों की खोज कर कर रहा है, यूरोप से मध्य पूर्व के माध्यम से अमेरिका तक नए मार्गों पर काम कर रहा है और नए सप्लाई चेन एल्गोरिदम को फिर से तैयार कर रहा है।

रिपोर्ट में बताया गया कि निर्यात में गिरावट 3-3.5 प्रतिशत की सीमा में रहने की उम्मीद है, जिसे मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस दोनों मोर्चों पर उच्च निर्यात लक्ष्यों के जरिए सुधारा जाना चाहिए।

भारत पिछले सप्ताह अमेरिका द्वारा लगाए गए एल्यूमीनियम और स्टील टैरिफ का भी लाभ उठा सकेगा। भारत का अमेरिका के साथ एल्यूमीनियम व्यापार के लिए 13 मिलियन डॉलर और स्टील व्यापार

के लिए 406 मिलियन डॉलर का व्यापार घाटा है, जिसका भारत संभावित रूप से लाभ उठा सकता है। यूएस रेसिप्रोकल टैरिफ 2 अप्रैल से लागू होने की उम्मीद है और नई दिल्ली और वर्तमान में वाशिंगटन के बीच गहन द्विपक्षीय वार्ता चल रही है।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले सप्ताह कहा था कि उन्होंने भारत और अमेरिका के बीच पारस्परिक रूप से लाभकारी द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर के साथ एक दूरदर्शी चर्चा की। केंद्रीय मंत्री गोयल ने ग्रीर के साथ इस बैठक की एक तस्वीर भी अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल से शेयर की और पोस्ट में लिखा कि हमारा दृष्टिकोण इंडिया फर्स्ट, विकसित भारत और हमारी रणनीतिक साझेदारी द्वारा

■ **यूएस रेसिप्रोकल टैरिफ 2 अप्रैल से लागू होने की संभावना**
■ **नई दिल्ली व वाशिंगटन के बीच चल रही गहन द्विपक्षीय वार्ता**

निर्देशित होगा। केंद्रीय मंत्री गोयल ने इससे पहले अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान ग्रीर और अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक से मुलाकात की थी। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहु-क्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) के पहले चरण पर बातचीत की। एसबीआई रिसर्च के अनुसार, भारत निर्यात को लेकर घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कई साझेदारों - द्विपक्षीय और क्षेत्रीय दोनों - के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को लेकर बात कर रहा है। भारत ने पिछले पांच वर्षों में मॉरीशस, यूएई, ऑस्ट्रेलिया आदि जैसे अपने व्यापारिक साझेदारों के साथ 13 एफटीए पर हस्ताक्षर किए हैं।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

ग्राहक जागरूकता सम्मेलन होगा, ठगी से बचाव के गुर सिखाएंगे विशेषज्ञ

बैतूल,देशबन्धु। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत बैतूल नगर इकाई की बैठक जिला अध्यक्ष श्रीपाद निर्गुडकर के आवास रॉयल रेसीडेंसी, हमलापुर में संपन्न हुई। बैठक में जिलेभर के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और ग्राहक जागरूकता को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए। बैठक में तय किया गया कि जिले के सभी ग्राहक बंधुओं को उनके अधिकारों की जानकारी देने के लिए एक दिवसीय ग्राहक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा।

इस सम्मेलन में ग्राहकों के साथ होने वाले अनुचित व्यवहार और शासन द्वारा प्रदान किए गए ग्राहक अधिकारों पर चर्चा होगी। ग्राहकों को यह बताया जाएगा कि अगर उनके साथ किसी भी तरह की ठगी होती है तो वे अपने अधिकारों की रक्षा कैसे कर सकते हैं। साथ ही, समझदारी में ही सावधानी के मूलमंत्र को केंद्र में रखते हुए विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ ग्राहकों को जागरूक करेंगे। बैठक में संगठन के विस्तार और ग्राहकों के हक की रक्षा को लेकर गहन मंथन किया गया। बैठक में मुख्य रूप से संजय शुक्ला, हिमांशु सोनी, प्रभाकर वाधूने, अनिल दुबे, योगेश पवार, सुमित वर्मा, संजय दीक्षित, रामबरन पाल, बंसी पिंजरे, अर्पित दीक्षित, जिला सचिव मनीष धोटे सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सतपुड़ा-मेलघाट बनेगा प्रदेश का पहला कन्वर्जेशन रिजर्व

बैतूल,देशबन्धु। जिले के लिए एक ऐतिहासिक सौगात मिली है। प्रदेश का पहला कन्वर्जेशन रिजर्व सतपुड़ा-मेलघाट बैतूल जिले में बनाया जाएगा। यह क्षेत्र वास्तव में दो वादियों और घने जंगलों का संगम स्थल है, जहां बड़ी संख्या में वन्य जीव विचरण करते हैं। इस क्षेत्र को संरक्षित करने का फैसला पर्यावरण और वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा। साथ ही, इससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

समाजसेवी रमेश भाटिया ने बताया कि बैतूल को यह गौरव दिलाने का श्रेय विधायक हेमंत खंडेलवाल को जाता है, जिनकी सकारात्मक सोच और सार्थक पहल के कारण यह संभव हो सका। उनके प्रस्ताव पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यह बड़ी घोषणा की है। बैतूल अपने जंगलों के लिए पहचाना जाता है और यदि कोई जनप्रतिनिधि इस दिशा में सार्थक कार्य करता है, तो उसकी प्रशंसा अवश्य होनी चाहिए। इस पहल से बैतूल का यह संरक्षित क्षेत्र आने वाले समय में जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क की तरह विकसित होता नजर आए तो कोई आश्चर्य नहीं होगा। बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल के इस ऐतिहासिक प्रयास के लिए उन्हें बधाई और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार व्यक्त किया गया है।

कुनबी समाज का होली मिलन समारोह 19 को

बैतूल, देशबन्धु। जिला क्षत्रिय लोणारी कुनबी समाज संगठन बैतूल द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है। आयोजन समिति के दिनेश मस्की, प्रवीण ठाकरे, नामदेव बारस्कर और रविशंकर पारखे ने बताया कि यह समारोह 19 मार्च (बुधवार) को सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक शिवाजी सांस्कृतिक भवन, सदर बैतूल में आयोजित किया जाएगा। समारोह में समाज के सभी सदस्यों से सपरिवार उपस्थित रहने की अपील की गई है।

महिलाओं ने मनाया होली मिलन समारोह

आमला, देशबन्धु। उप नगरी बोड़खी के माता सिद्धेश्वरी मंदिर में मेहरा समाज की ओर से फाग उत्सव एवं होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत माता रानी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से की। मेहरा समाज ब्लॉक अध्यक्ष सुनीला गोडसे के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों महिलाओं ने हिस्सा लिया। समारोह में महिलाओं ने एक-दूसरे को गुलाल का तिलक लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। ब्लॉक उपाध्यक्ष इंदिरा गाडरे ने बताया की पिछले कई सालों से हम सभी समाज से जुड़े लोग होली मिलन समारोह मनाते आ रहे हैं। होली रंगों का त्यौहार है, लेकिन इसमें आपसी भाईचारा दिखता है। इसलिए हम सभी समाज के लोग मिलजुल कर होली मिलन समारोह करते हैं और रंग- गुलाल लगाते हैं। ब्लॉक सचिव चंदा बेले ने कहा कि एकजुट होकर समाज की उन्नति में योगदान देना चाहि ए ब्लॉक कोषाध्यक्ष पुष्पा हातिया भारती हातिया ने समाज की कुर्तियां को दूर करने की अपील की। समिति की महिलाओं कहा कि होली केवल रंगों का नहीं, बल्कि सामाजिक बंधनों को मजबूत करने का भी पर्व है।

खसरा विषय पर रील बनाओ प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को किया पुरस्कृत

बैतूल,देशबन्धु। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सोमवार को स्वास्थ्य विभाग बैतूल द्वारा खसरा जागरूकता पर रील बनाओ प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में किया गया। सीएमएचओ डॉ रविकांत उइके ने बताया कि कार्यक्रम में बच्चों को विस्तार से खसरा रोग एवं टीकाकरण की जानकारी दी गई तथा उनकी भ्रांतियों का निवारण किया गया।

डॉ.उइके ने बताया कि खसरा दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य खसरा जैसी जानलेवा बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक करना और खसरा टीकाकरण के कवरेज को अधिकतम करना है। शासन द्वारा वर्ष 2026 तक मीजल्स रूबेला (एमआर) निर्मूलन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। हम सबको मिलजुल कर खसरा रोग के टीकाकरण के प्रति जागरूकता का प्रचार-प्रसार करना है और बैतूल को खसरा मुक्त बनाना है।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ प्रांजल उपाध्याय ने बताया कि खसरा रोग को अभी भी देवी प्रकोप के रूप में समाज में मान्यता दी जाती है, जबकि वैक्सीन रोधक 12 बीमारियों में सर्वाधिक जानलेवा घातक एवं तेजी से फैलने वाली यह वायरस की बीमारी है। 9 से 12 माह पर पहला एवं 16 से 24 माह पर दूसरा एमआर का टीकाकरण करवाकर बच्चों को सुरक्षित किया जा सकता है। जिला मीडिया अधिकारी श्रीमती श्रुति गौर तोमर द्वारा बताया गया कि खसरा रोग को जड़ से मिटाने के लिये आमजन को जागरूक होना अति-आवश्यक है। समस्त शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में प्रति मंगलवार व शुक्रवार को नि:शुल्क टीकाकरण किया जाता है।

रील बनाओ प्रतियोगिता में 34 प्रविष्टियां दर्ज की गईं जिसमें कुमारी तनिष्का धुर्वे कक्षा 8वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल प्रथम, वैभव उघड़े, नैनिश हिरानी एवं दल कक्षा 7वीं आरडीपीएस बैतूल द्वितीय, कुमारी वाणी सूर्यवंशी कक्षा 8वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल तृतीय स्थान पर रहीं। सांत्वना पुरूस्कार कु.अनुष्का नागले कक्षा 9वीं द्रोणा पब्लिक स्कूल बैतूल, कु.तनिष्का मेहरा कक्षा 11वीं सर्वोदय हायर सेकेण्डरी स्कूल बैतूल, श्री श्रेयांश प्रजापति कक्षा 10वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल, कुमारी वैष्णवी जनोरिया कक्षा 12वीं शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय बैतूल, कुमारी प्राची बर्डे कक्षा 6वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल, कुमारी तितिक्षा साहनी कक्षा 6वीं एलएफएस स्कूल बैतूल, कुमारी विजयलक्ष्मी बिहारे कक्षा 8वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल, कुमारी वैष्णवीं नरवरे कक्षा 8वीं पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय बैतूल, श्री पार्थ माकोड़े कक्षा 6वीं आरडीपीएस बैतूल, श्री आराध्य यादव कक्षा 6वीं आरडीपीएस बैतूल को प्रदान किये गये।

रील्स के निर्णायक जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ प्रांजल उपाध्याय रहे। कार्यक्रम उप जिला मीडिया अधिकारी श्री महेशराम गुबरेले, प्रभारी जिला प्रशिक्षण अधिकारी श्रीमती मधुमाला शुक्ला, प्रभारी परिवार कल्याण शाखा श्री भगत सिंह उइके, पुरस्कृत छात्र-छात्रा एवं उनके परिजन मौजूद रहे।

निबंध लेखन प्रतियोगिता आज

स्वास्थ्य विभाग द्वारा 17 मार्च से 22 मार्च तक संचालित विशेष टीकाकरण केचअप अभियान की जनजागृति के लिए निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। सीएमएचओ डॉ.रविकांत उईके ने बताया कि निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय टीकाकरण की आवश्यकता एवं महत्व है। इसमें कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्रा भाग ले सकते हैं। निबंध लेखन के लिए आज 18 मार्च 2025 को प्रात: 11 बजे कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी आईपीपी-6 कारगिल चौक बैतूल के सभाकक्ष में उपस्थित होना होगा। निबंध प्रतियोगिता के निर्णायक जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ प्रांजल उपाध्याय रहेंगे। निबंध में प्रथम, पुरस्कार 700 रूपए, द्वितीय पुरस्कार 500 रूपए एवं तृतीय पुरस्कार 300 रूपये, 100 रूपये के 5 सांत्वना पुरस्कार नगद प्रदान किए जाएंगे। प्रतियोगिता के अंत में पुरस्कार वितरण किया जाएगा।

राम नवमी और कर्मा जयंती पर साहू समाज करेगा भव्य आयोजन

मंत्री-सांसद होंगे मुख्य अतिथि

आठनेर, देशबन्धु। क्षेत्रीय श्रीबाथरी साहू समाज की बैठक 16 मार्च रविवार को नगर के श्री राम मंदिर में संपन्न हुई। बैठक में राम नवमी और कर्मा जयंती को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत बुजुर्गों का सम्मान, मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार वितरण और भव्य शोभायात्रा के आयोजन का प्रस्ताव पारित किया गया। इस अवसर पर विशेष रूप से बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल, केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उईके और छिंदवाड़ा सांसद बंटी साहू को आमंत्रित करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

बैठक में आठनेर सेक्टर समिति का विस्तार भी किया गया। वरिष्ठों की सहमति से समिति के अध्यक्ष कैलाश आजाद ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। संरक्षक के रूप में पूरनलाल उतपुरे और राजेश उदयपुरे को जिम्मेदारी दी गई। उपाध्यक्ष पद पर घनश्याम जीतपुरे और खेमराज साहू को चुना गया। सचिव धनराज लहरपुरे पटेल, सह सचिव तिलकचंद लहरपुरे, कोषाध्यक्ष राजू रूरपुरे और सह कोषाध्यक्ष राजेश लहरपुरे बनाए गए। सलाहकार पद की जिम्मेदारी गणेश लहरपुरे को सौंपी गई। मीडिया प्रभारी के रूप में डैनी साहू और सह मीडिया प्रभारी विशाल पिपरोले को चुना गया। आईटी प्रभारी जीतू लहरपुरे और सह आईटी प्रभारी डॉक्टर योगेश लहरपुरे बनाए गए। कार्यकारिणी सदस्यों में संतोष लहरपुरे, गोपाल बसंतपुरे, दीपक नायक, रमाकांत जीतपुरे, तरुण जीतपुरे सहित कई सामाजिक बंधुओं को शामिल किया गया। सभी नवीन पदाधिकारियों को समाजजनों ने शुभकामनाएं दीं। बैठक के बाद होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, जहां समाज के सभी बंधुओं ने एक-दूसरे को गुलाल तिलक कर होली की बधाई दी। वरिष्ठजनों के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लिया और सहभोज के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। बैठक में क्षेत्रीय साहू समाज के अध्यक्ष बंशीलाल लहरपुरे, आठनेर सेक्टर के अध्यक्ष कैलाश आजाद, रामप्रसाद लहरपुरे, जसवंत लोखंडे, धनराज लहरपुरे, सुखदेव आजाद, राजू पटेल लहरपुरे, शिवदयाल लोखंडे, प्रभु दयाल भरतपुरे, धनराज जीतपुरे, राजेश जीतपुरे, सालिकराम जीतपुरे, विनोद पिपरोले, विनय जीतपुरे, संजू आजाद, उमेश बसंतपुरे, प्रकाश जीतपुरे, दीपक आजाद, आनंद टेकपुरे, कमल लहरपुरे, दुर्गेश आजाद, जीतू साहू, मिथलेश लहरपुरे, राजू टेकपुरे, रितेश टेकपुरे, अजय जीतपुरे, शिवदीन टेकपुरे, कुलदीप आजाद, आनंद उदयपुरे, सौरभ आजाद, कन्हैया जीतपुरे, गणेश लहरपुरे, महेश लहरपुरे, गोकुल भरतपुरे, पवन बसंतपुरे, राजेश लहरपुरे, कमल जीतपुरे, राम सेवक पिपरोले सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

सिवनी बानापुरा ने लखनऊ को 3 विकेट से हराया

बैतूल,देशबन्धु। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम, कोठी बाजार में चल रहे अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट राजीव कप में 17 मार्च को लाइफ केयर क्रिकेट अकादमी लखनऊ और सिवनी बानापुरा के बीच जबरदस्त मुकाबला हुआ। मुकाबले के मुख्य अतिथि डॉ. रमेश काकोडिया, डॉ. जयदीप पोपली, रिंकू किलेदार और दिलखुश साहनी रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

लखनऊ की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 187 रनों पर ऑल आउट हो गई। उनकी ओर से फैज अहमद ने 36 और सुयश ने 33 रन बनाए। सिवनी बानापुरा के गेंदबाज सौरव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 विकेट झटके, जबकि प्रखर ने 2 विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिवनी बानापुरा की शुरुआत कुछ खास नहीं रही, लेकिन कप्तान राज मेहता की बेहतरीन कप्तानी पारी (75 रन) ने टीम को जीत की ओर अग्रसर किया। राज मेहता के अलावा आदित्य गौतम और अथर्व पटेल ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। आदित्य गौतम ने नाबाद 37 रन बनाए, जबकि अथर्व पटेल 20 रन बनाकर नाबाद रहे और टीम को 3 विकेट से जीत दिलाई।

इस रोमांचक मुकाबले के बाद राज मेहता को उनके शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। यह पुरस्कार बब्बा राठौर, राजकुमार दीवान, मोनू बडोनिया, राजेश गावंडे, सोमेश त्रिवेदी, प्रणय पाठक, आकाश भाटिया और कृष्णा नाईक द्वारा प्रदान किया गया। आज 18 मार्च को टूर्नामेंट में एक और दिलचस्प मुकाबला होगा, जहां आदित्य वर्ल्ड क्रिकेट अकादमी ग्वालियर और सिवनी बानापुरा के बीच टक्कर होगी। इस मैच से टूर्नामेंट की छठवीं क्वार्टर फाइनल टीम का फैसला होगा।

विधायक ने रिज़वी परिवार से की मुलाकात

बैतूल,देशबन्धु। कुछ दिन पहले बैतूल निवासी और रजिस्ट्री का कार्य करने वाले आदिल रिज़वी के बड़े भाई अख्तर हुसैन रिज़वी का हार्ट अटैक के कारण निधन हो गया था। 66 वर्षीय अख्तर हुसैन रिज़वी रायपुर में रहते थे। उनके असमय चले जाने से परिवार गहरे सदमे में था। दिवंगत के परिवार को सांत्वना देने बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल पहुंचे और शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान कोठी बाजार एवं गंज मंडल अध्यक्ष विक्रम वैद्य, विकास मिश्रा और वार्ड पार्षद आभा दीपक श्रीवास्तव भी उनके साथ मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित की। अख्तर हुसैन रिज़वी बैतूल के वरिष्ठ पत्रकार मुश्ताक हुसैन रिज़वी के भतीजे थे। उनके निधन से शोक की लहर है।

आरडीए के 22 विद्यार्थियों का मप्र पुलिस भर्ती में हुआ सिलेक्शन

मेहनत, अनुशासन और जबरदस्त ट्रेनिंग से आरडीए बना सफलता की गारंटी

बैतूल, देशबन्धु। मध्य प्रदेश पुलिस भर्ती परीक्षा में इस बार भी रघुकुल डिफेंस एकेडमी (आरडीए) के होनहारों ने परचम लहराया है। फौजी अशोक रघुवंशी, कोच रवि पवार और नंदकिशोर रघुवंशी के जबरदस्त मार्गदर्शन में इस बार 22 अभ्यर्थियों ने मध्य प्रदेश पुलिस भर्ती में फाइनल सिलेक्शन हासिल कर अपना सपना साकार किया है। यह सफलता इन अभ्यर्थियों की मेहनत के साथ आरडीए की अनुशासनात्मक ट्रेनिंग और श्रेष्ठ रणनीति का प्रमाण भी है।

आरडीए की छात्राओं ने भी इस बार अपने दमखम का परिचय दिया है। अवंतिका, नीलम, स्वेता, ममता, भागेश्वरी, दीप्ती, सीमा, प्रिया, रवीना, अंजलि, ललिता, पिंकी, निकिता और शीतल ने कठिन परिश्रम और कड़े अनुशासन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया कि आरडीए महिला अभ्यर्थियों के लिए भी सफलता की गारंटी बन चुका है। आरडीए के छात्रों की बात करें तो इस बार भी अभ्यर्थियों ने अपने प्रदर्शन से हर किसी को गर्व महसूस कराया है। संजू कड़वे, विक्रम परमार, अभिषेक रघुवंशी, राजा सोलंकी, सूरज अडलक, अरुण रघुवंशी, मोहित वागद्रे और योगेश जैसे योद्धाओं ने यह साबित कर दिया कि मेहनत और अनुशासन के बल पर कोई भी सपना हकीकत में बदला जा सकता है। आरडीए में हर छात्र को अनुशासन, परिश्रम और समर्पण का सही मार्गदर्शन मिलता है। यही वजह है कि हर साल यहां से नए कीर्तिमान स्थापित होते हैं और सैकड़ों युवाओं का भविष्य संवरता है। फौजी अशोक रघुवंशी के अनुसार यह सिर्फ एक शुरुआत है। आरडीए का लक्ष्य हर साल और भी ज्यादा युवाओं को देश की सेवा के लिए तैयार करना है।

श्रीराम की भव्य शोभायात्रा की तैयारियां शुरू, नगर होगा भगवामय

बैतूल,देशबन्धु। राष्ट्रीय हिंदू सेना द्वारा इस वर्ष भी श्रीराम जन्मोत्सव को ऐतिहासिक, भव्य और आकर्षक बनाने के लिए तैयारियां जोरों पर हैं। इसी क्रम में संगठन के जिला कार्यालय पर एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रमुख पदाधिकारियों ने जन्मोत्सव की रूपरेखा तय की। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय, प्रदेश संयोजक पवन मालवीय, प्रांत सह सचिव भीम यादव, विभाग प्रवक्ता अखिलेश वाघमारे, विभाग युवा अध्यक्ष मनीष मालवीय, जिला संयोजक नवीन पटेल, जिला अध्यक्ष अनुज राठौर, जिला युवा महामंत्री अमित यादव, तहसील अध्यक्ष विक्रांत कनाठे और तहसील युवा सह संयोजक लोकेश रावत समेत दर्जनों पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला संयोजक नवीन पटेल ने बताया कि राष्ट्रीय हिंदू सेना पिछले आठ वर्षों से श्रीराम जन्मोत्सव को भव्य रूप में आयोजित कर रही है। इस बार भी गेंदा चौक से कारगिल चौक तक नगर को भगवामय किया जाएगा और आकर्षक झांकियां सजाई जाएंगी। श्रीरामचंद्र और श्रीहनुमान जी की भव्य प्रतिमाएं शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण रहेंगी। जिला युवा महामंत्री अमित यादव ने बताया कि बैठक में बीते एक वर्ष के सामाजिक कार्यों की समीक्षा भी की गई और संगठन के सेवा योद्धाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। तहसील अध्यक्ष विक्रांत कनाठे ने कहा कि इस वर्ष संगठन से एक दर्जन से अधिक युवाओं ने जुड़कर हिंदू समाज के लिए कार्य करने का संकल्प लिया है। तहसील युवा सह संयोजक लोकेश रावत ने बताया कि संगठन ने गौ रक्षा, गरीबों की मदद और धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गौवंश की रक्षा के लिए 500 बेल्ट बांधे, असहाय परिवारों के अंतिम संस्कार कराए, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाई और 245 गौवंश को तस्करों से मुक्त कराया।

प्रदेश अध्यक्ष दीपक मालवीय ने कहा कि यह धार्मिक आयोजन हिंदू समाज की एकता और संस्कृति को सहेजने का संकल्प है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जन्मोत्सव को भव्य बनाने के लिए तन-मन-धन से जुटें। बैठक में संगठन के सौ से अधिक पदाधिकारी मौजूद रहे, जिन्होंने श्रीराम जन्मोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए जिम्मेदारियां संभालने का संकल्प लिया।

ताप्ती माता के सम्मान में मंदिर निर्माण की मांग

बैतूल,देशबन्धु। नगर पालिका बैतूल करोड़ों रुपए पानी में बहाने के लिए तैयार है, लेकिन जिस ताप्ती नदी का जल शहर को अमृत रूप में पिला रही है, उसी का मान-सम्मान देना उसे पसंद नहीं। बैतूल की पुण्य सलिला मां सूर्यपुत्री ताप्ती का जल बीते लगभग एक दशक से बैतूल और बैतूल बाजार को सप्लाई किया जा रहा है, लेकिन इतने वर्षों में नगर पालिका ने ताप्ती माता के मंदिर के लिए कोई कदम नहीं उठाया। ताप्ती जागृति समिति मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष रामकिशोर पवार ने बताया कि समिति ने ताप्ती बैराज निर्माण से लेकर अब तक सैकड़ों बार जिला प्रशासन, नगरीय प्रशासन और प्रदेश सरकार को आवेदन व निवेदन भेजे हैं। उनका कहना है कि नगर पालिका ने ताप्ती बैराज और जल सप्लाई पाइपलाइन की मरम्मत में जितना पैसा बहा दिया है, उतने में ताप्ती नदी से लेकर नगरीय सीमा तक भव्य ताप्ती मंदिर का निर्माण हो सकता था। लेकिन नगर पालिका और परिषद को इससे कोई कमीशन नहीं मिलता, इसलिए वे इस दिशा में कोई रुचि नहीं दिखा रहे। समिति के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि जब से ताप्ती बैराज बना है और जल आपूर्ति के लिए पाइपलाइन बिछाई गई है, तब से हर साल बैराज बह रहा है और साल में कई बार पाइपलाइन फट रही है। लेकिन इसकी उच्च स्तरीय जांच अब तक नहीं करवाई गई। नगर पालिका पर जनता के जलकर की राशि का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए समिति ने प्रशासन से इस पूरी व्यवस्था की जांच कराने और ताप्ती माता के सम्मान में मंदिर निर्माण का आग्रह किया है।

पारिवारिक मिलन समारोह 23 को

बैतूल,देशबन्धु। सामाजिक जन कल्याण समिति बैतूल का पारिवारिक मिलन समारोह 23 मार्च रविवार को आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का आयोजन शहीद भवन, शिवाजी चौक, बैतूल में सुबह 10 बजे से होगा, जिसमें समाजबंधुओं को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। समारोह का शुभारंभ प्रात: 10 बजे पूज्य भंते जी के सान्निध्य में दीप प्रज्वलन और पूजा से होगा। इसके बाद वरिष्ठजनों एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया जाएगा। समाज की वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान महिला वर्ग द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य अतिथियों का उद्बोधन प्रात: 11:30 बजे होगा। इसके बाद समाज के युवाओं और बच्चों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता रखी गई है, जिसमें विजेताओं को प्रशंसा पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। दोपहर 1 बजे समिति का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम का समापन एवं आभार प्रदर्शन दोपहर 3 बजे होगा।

आज वित्त मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपेगा भारतीय मजदूर संघ

अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन करेंगे मजदूर संघ के कार्यकर्ता

बैतूल,देशबन्धु। भारतीय मजदूर संघ केंद्र के निर्णय अनुसार आज 18 मार्च को पूरे देश के जिला मुख्यालयों पर धरना प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया गया है। इसी क्रम में बैतूल में भी भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ता अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन करेंगे। भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख विनय डोंगरे और अध्यक्ष संपत दरवाई ने बताया कि यह प्रदर्शन संघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पारित प्रस्ताव के तहत किया जा रहा है। भारतीय मजदूर संघ के जिलामंत्री पंजाब गायकवाड़ ने सभी कार्यकर्ताओं, महासंघों और पंजीकृत यूनियनों के सदस्यों से आह्वान किया है कि वे 18 मार्च को दोपहर 12 बजे जिला उद्योग कार्यालय के सामने एकत्रित हों और धरना प्रदर्शन में शामिल हों। धरना प्रदर्शन के बाद मजदूर संघ के कार्यकर्ता रैली निकालकर दोपहर 3 बजे कलेक्टर कार्यालय पहुंचेंगे। वहां कलेक्टर बैतूल के माध्यम से भारत सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को ज्ञापन सौंपा जाएगा। संघ के पदाधिकारियों ने अधिक से अधिक संख्या में उपस्थिति दर्ज कराकर इस आंदोलन को सफल बनाने की अपील की है।

आग से एक एकड़ गेहूं की फसल खाक

● देरी से पहुंची फायर ब्रिगेड

बैतूल,देशबन्धु। बैतूल ब्लॉक के ग्राम साकादेही में दोपहर के समय आग लगने से किसान मोहन जौंजारे के खेत में खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। एक एकड़ में फैली इस आग को बुझाने के लिए ग्रामीणों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मोहन जौंजारे ने तुरंत फायर ब्रिगेड को फोन कर सूचना दी, लेकिन फायर ब्रिगेड एक घंटे की देरी से पहुंची। फायर ब्रिगेड के संजय यादव ने मौके पर पहुंचकर जले हुए गेहूं में सुलग रही आग को बुझाया। टैंकर का पानी खत्म होने के बाद दोबारा पानी भरकर खेत से निकल रहे धुएं को शांत किया गया। बताया जा रहा है कि खेत के ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन के तार ढीले थे, जिससे हवा चलने पर वे आपस में टकरा रहे थे। इसी दौरान निकली चिंगारी नीचे गेहूं की फसल पर गिर गई और आग लग गई। ग्रामीणों का कहना है कि इलाके में पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन बिजली कंपनी की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। मोहन जौंजारे ने तुरंत विद्युत विभाग के जेई मरावी को फोन कर स्थिति की जानकारी दी। जेई ने तत्काल लाइनमैन हरि पवार और हेल्पर को मौके पर भेजकर ढीले तारों को ठीक कराया।

सिमोरी में निशुल्क बैग वितरण, शिक्षा से जुड़ रहे आदिवासी बच्चे

बैतूल,देशबन्धु। जिले में शिक्षा को बढ़ावा देने और आदिवासी बच्चों को स्कूल से जोड़ने के उद्देश्य से लगातार तीन वर्षों से निशुल्क बैग वितरण किया जा रहा है। विकासखंड भीमपुर के सिमोरी गांव में इस साल समाजसेवी केके मालवीय ने अपने जन्मदिन के अवसर पर 25 बच्चों को स्कूल बैग प्रदान किए। यह प्रयास गांव के उन बच्चों के लिए मददगार साबित हो रहा है, जिनके परिवार आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण उन्हें स्कूल बैग उपलब्ध नहीं करा पाते। इस अवसर पर समाजसेवी नेमीचंद मालवीय ने कहा कि यह शिक्षा की ओर बढ़ाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। लगातार तीन वर्षों से यह अभियान चलाया जा रहा है, जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ी है और उनकी स्कूल उपस्थिति में सुधार हुआ है। कलचुरी कलार समाज की जिला अध्यक्ष बिंदु केके मालवीय ने कहा कि यह योजना नए सत्र से जारी रहेगी, जिससे अधिक से अधिक बच्चे शिक्षा से जुड़ सकें। उन्होंने इसे शिक्षा के क्षेत्र में एक नवाचारी पहल बताया। दीप मालवी और निमिष मालवीय ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही बच्चों का भविष्य संवारने का एकमात्र साधन है। ऐसे प्रयासों से बच्चों की पढ़ाई सुचारू रूप से चलती रहेगी। माध्यमिक विद्यालय सिमोरी के प्रभारी प्रधान पाठक शैलेंद्र बिहारिया ने समाजसेवियों के इस योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लगातार तीन वर्षों से किए जा रहे इस प्रयास से विद्यालय में दर्ज संख्या बढ़ रही है और बच्चों की शिक्षा में सुधार हो रहा है।

मध्यप्रदेश में युवाओं का कल हो रहा उज्ज्वल

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

89710 मेधावी विद्यार्थियों को ₹224 करोड़ की

लैपटॉप राशि अंतरित

अब तक 4.32 लाख से अधिक विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए ₹1 हजार करोड़ से अधिक राशि अंतरित

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D-18094/24

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025